रोहतक
गुरुवार 30 जुलाई 2026
श्रावण मास कृष्ण पक्ष,
प्रतिपदा वर्ष : 30, अंक : 176
पृष्ठ 12 मूल्य 3.00

मौसम हरियाणा
अधि. 38.2°C
न्यून. 24.6°C

हरिभूमि

हरियाणा, दिल्ली, छत्तीसगढ़ व मध्यप्रदेश से एक साथ प्रकाशित
समाचार ही नहीं, विचार भी
haribhoomi.com

कॉमनवेल्थ गेम्स में तीसरा गोल्ड

100 मीटर रेस में गावित को सोना मोहम्मद बासिल को सिल्वर मेडल

दिलीप महादु गावित ने भारत को कॉमनवेल्थ गेम्स 2026 में तीसरा गोल्ड दिला दिया है। वे पैरा 100 मीटर टी47 रेस में 10.71 सेकेंड की टाइमिंग के साथ पहले स्थान पर रहे। भारत के ही मोहम्मद बासिल ने 10.83 सेकेंड के साथ सिल्वर जीता।

लॉन्ग जंपर मुरली की चांदी

लॉन्ग जम्पर मुरली श्रीशंकर ने 8.09 मीटर की छलांग लगाकर सिल्वर हासिल किया। वे इस इवेंट में लगातार दो कॉमनवेल्थ गेम्स में सिल्वर जीतने वाले पहले भारतीय बने। इस इवेंट का गोल्ड जमैका के तजय गेल (8.15 मीटर) ने जीता।

भारत के पास अब 3 गोल्ड, 9 सिल्वर व 3 ब्रॉन्ज समेत 15 मेडल

पेपर लीक रोकने का सख्त विधेयक लोकसभा में पास

अधिकतम 10 साल सजा, 10 करोड़ जुर्माने का प्रावधान

9 घंटे तक चर्चा के बाद ध्वनिमत से हुआ पारित

एजेंसी ▸▸ नई दिल्ली

लोकसभा में पेपर लीक से जुड़ा 'लोक परीक्षा (अनुचित साधनों की रोकथाम) संशोधन विधेयक, 2026 बुधवार को ध्वनि मत से पास हो गया। बिल पर मंगलवार को 9 घंटे चर्चा हुई। बुधवार को विपक्ष की तरफ से राहुल गांधी बिल पर 50 मिनट बोले। विपक्ष के हंगामे के बीच बिल पास हुआ। इसके तहत पेपर लीक से जुड़े कानून सख्त कर दिए हैं। अब पेपर लीक से जुड़े अपराधों में अधिकतम 10 साल तक की जेल और 10 करोड़ रुपये तक के जुर्माने का प्रावधान किया गया है। वहीं राज्यसभा में राष्ट्रीय सम्मान अपमान निवारण संशोधन विधेयक (2026) बिल पास हो गया। अब जन-गण-मन की तरह वंदे मातरम को कानूनी संरक्षण मिलेगा। वंदे मातरम का अपमान, अनादर और गायन में बाधा डालना दंडनीय अपराध होगा।

वंदे मातरम के अपमान पर 3 साल तक की जेल

राज्यसभा में राष्ट्रीय सम्मान अपमान निवारण संशोधन विधेयक (2026) बिल पास हो गया। बिल के तहत 1971 के मूल अधिनियम में संशोधन का प्रावधान किया गया है। नए कानून में राष्ट्रगीत के अपमान के लिए तीन साल तक की जेल या जुर्माना या दोनों के प्रावधान हैं।

'इडियट' शब्द बोलने पर सदन में हंगामा

विपक्ष के नेता राहुल गांधी ने पेपर लीक से जुड़े बिल पर 50 मिनट भाषण दिया। उन्होंने इडियट और अंधभक्त जैसे शब्द बोले। फिर कहा कि गृहमंत्री ने दिल्ली में छात्रों पर फायरिंग के आदेश दिए। इसको लेकर सत्तापक्ष ने जमकर हंगामा किया। लोकसभा से बिल हंगामे के बीच पारित हुआ। संसदीय कार्य मंत्री किरेन रिजिजू ने 7 बार खड़े होकर राहुल को टोका और संसदीय नियम का हवाला दिया। उन्होंने कहा कि नेता प्रतिपक्ष को माफी मांगनी चाहिए। इस पर राहुल ने कहा, 'अगर आप चाहते हैं कि देश में सिर्फ बीजेपी बोले तो मैं चुप होकर बैठ जाता हूं। स्पीकर ओम बिरला ने भी राहुल को 11 से ज्यादा बार टोका। कहा कि वे इस तरह के असंसदीय शब्द नहीं बोल सकते।

राहुल बोले- छात्रों पर पैलेट गन चली, लाठियां मारी गईं

राहुल गांधी ने बुधवार शाम को कहा, 'आज मुझे लोकसभा में बोलने नहीं दिया गया। रिजिजू और राजनाथ सिंह जी को बोलने दिया गया। इसकी वजह है कि मैंने अमित शाह के बारे में कहा कि वह छात्रों पर हुई बर्बरता के लिए जिम्मेदार हैं। उन्हें इस्तीफा देना चाहिए।' राहुल ने कहा कि सदन में मुझसे कहा गया कि मैं माफी मांगूंगा, इसके बाद मुझे बोलने दिया जाएगा। नेता प्रतिपक्ष के रूप में मेरा कर्तव्य है कि देश के मुद्दे उठाऊं। संसद से 500 मीटर तक देश के छात्रों को पीटा गया। छात्रों पर पैलेट गन चलाई गईं। एक छात्र की आंख की रोशनी चली गई।

भाजपा ने कहा- राहुल ने लोकसभा में झूठ बोला

'छात्रों के संसद मार्च में गोली चलने' के राहुल के बयान पर भाजपा ने शाम 4:30 बजे प्रेस कॉन्फ्रेंस की थी। भाजपा सांसद संबित पात्रा ने कहा कि राहुल ने लोकसभा में झूठ बोला है। पात्रा ने बताया कि संसद मार्च में छात्रों पर गोली चलाई गई। इसका भाजपा खंडन करती है। राहुल ने कहा कि गोली चलाने का आदेश गृहमंत्री अमित शाह ने दिया। ये भी झूठ है, क्योंकि गोली चली नहीं तो आदेश कहां से देंगे। पात्रा ने कहा- कांग्रेस नेताओं ने अपने भाषण में कहा कि ऑर्म्ड फोर्सेस ने लड़कियों के कपड़े फाड़े, ऐसा नहीं है।

मुक्केबाजी में 10 पदक पक्के

ग्लास्गो (भाषा)। भारतीय मुक्केबाजों ने बुधवार को राष्ट्रमंडल खेलों में विभिन्न भार वर्गों के सेमीफाइनल में जगह बनाकर 6 और पदक पक्के कर लिए। इनमें अंकुश पंघाल (80 किलो), साक्षी चौधरी (51 किलो), अरूंधति चौधरी (70 किलो), सचिन सिवाच (60 किलो) और नरेंद्र बेरवाल (90 किलो से अधिक) और जैस्मिन लैम्बोरिया ने 57 किलो वर्ग में सेमीफाइनल में जगह बनाई। बुधवार को मिली पांच जीत के साथ अब 10 भारतीय मुक्केबाज सेमीफाइनल में पहुंच गए हैं जिससे कम से कम दस कांस्य पदक पक्के हो चुके हैं। इससे पहले लवलीना बोरगोहेन (75 किलो), प्रिया घनघस (60 किलो) , प्रीति पवार (54 किलो) और जादूमणि सिंह (पुरूष 55 किलो) मुक्केबाजी में भारत का पदक पक्का कर चुके हैं।

शॉटपुट : तूर व गिल फाइनल में

शॉटपुट खिलाड़ी तेजिंदर पाल और सिंह गिल ने आसानी से आखिरी दौर के लिये क्वालीफाई कर लिया। राष्ट्रीय रिकॉर्डधारी तूर ने दो प्रयासों में ही ग्रुप ए से 20 मीटर का स्वतः क्वालीफिकेशन मार्क हासिल कर लिया। उनका पहला प्रयास 19. 93 मीटर और दूसरा 20.14 मीटर था। उन्होंने तीसरा प्रयास नहीं किया। *(खेल पेज भी देखें)*

इंडिगो-फ्लाइट आसमान में 44 मिनट काटती रही चक्कर

खराब मौसम के कारण लैंडिंग नहीं हो सकी
●
रनवे छूकर दोबारा उड़ी, 120 पैसेंजर थे सवार

जयपुर (एजेंसी)। हैदराबाद से जयपुर आई इंडिगो की फ्लाइट बुधवार को करीब 44 मिनट तक आसमान में चक्कर लगाती रही। तेज बारिश और हवा के कारण विमान को रनवे छूने के बाद दोबारा उड़ान भरनी पड़ी। आखिरकार मौसम में सुधार होने के बाद विमान की जयपुर एयरपोर्ट पर सुरक्षित लैंडिंग कराई गई। इस विमान में करीब 120 पैसेंजर थे। इंडिगो की फ्लाइट 6ई-913 बुधवार दोपहर करीब 1 बजकर 45 मिनट पर जयपुर एयरपोर्ट पर उतरने वाली थी। पायलट ने निर्धारित समय के अनुसार करीब 1 बजकर 40 मिनट लैंडिंग के लिए अप्रोच भी शुरू कर दी थी। लेकिन उसी दौरान एयरपोर्ट के आसपास तेज बारिश और हवा के कारण लैंडिंग के लिए अनुकूल परिस्थितियां नहीं बन सकीं। खराब मौसम के कारण पायलट ने सुरक्षा को प्राथमिकता देते हुए गो-अराउंड का फैसला लिया। ऐसे में लैंडिंग की कोशिश छोड़कर विमान को दोबारा ऊंचाई पर ले जाया गया। विमान को एयर ट्रैफिक कंट्रोल के निर्देश पर जयपुर के आसपास के हवाई क्षेत्र में होल्ड पर रखा गया।

हरियाणा के 5.40 लाख सीईटी पास युवाओं को मिलेगा मानदेय

100 घंटे काम करना होगा
●
चरणबद्ध तरीके से मिलेगा योजना का लाभ

जयपुर (एजेंसी)। चंडीगढ़। हरियाणा सरकार ने सीईटी पास बेरोजगार युवाओं के लिए बड़ा ऐलान किया है। मुख्यमंत्री नायब सिंह सैनी ने कहा कि एक नवंबर 2026 से सीईटी पास युवाओं को सक्षम युवा योजना के तहत मानदेय दिया जाएगा। जिन युवाओं को सीईटी पास करने के दो वर्ष बाद भी रोजगार नहीं मिलेगा, उन्हें योजना के तहत आर्थिक सहायता के साथ 100 घंटे का कार्य भी उपलब्ध कराया जाएगा। सरकार के सर्वे में प्रदेश में 5 लाख 40 हजार 428 सीईटी पास युवा चिन्हित हुए हैं, जिन्हें चरणबद्ध तरीके से योजना का लाभ मिलेगा। मुख्यमंत्री बुधवार को विकसित भारत विजन-2047 के तहत रोजगार, कौशल विकास एवं औद्योगिक प्रशिक्षण विभाग तथा हरियाणा स्किल डेवलपमेंट मिशन की समीक्षा बैठक की अध्यक्षता कर रहे थे। बैठक में मुख्यमंत्री ने दावा किया कि प्रधानमंत्री विकसित भारत योजना के तहत हरियाणा को देश के टॉप-10 राज्यों में स्थान मिला है और इसके माध्यम से अब तक 51 हजार युवाओं को रोजगार के अवसर उपलब्ध कराए गए हैं।

खबर संक्षेप

कोयला घोटाला : पूर्व पीएम मनमोहन पर केस बंद

नई दिल्ली। सुप्रीम कोर्ट ने बुधवार को पूर्व प्रधानमंत्री मनमोहन सिंह के खिलाफ कोयला ब्लॉक आवंटन मामले में चल रहा क्रिमिनल केस बंद कर दिया। सुप्रीम कोर्ट ने 12 साल बाद सीबीआई की 2014 की 2 क्लोजर रिपोर्ट को मंजूरी दे दी। कोर्ट ने कहा कि पूर्व पीएक के खिलाफ करप्शन के कोई ठोस सबूत नहीं हैं। यह मामला यूपीए सरकार के कार्यकाल के दौरान तलाबीरा-2 कोयला ब्लॉक के आवंटन से जुड़ा है। *एजेंसी*

शुभमन गिल बने दुनिया के नंबर एक बल्लेबाज

नई दिल्ली। आईसीसी द्वारा जारी ताजा वनडे रैंकिंग में भारतीय कप्तान शुभमन गिल ने 801 रेटिंग अंकों के साथ एक बार फिर पहला स्थान हासिल कर लिया है। उन्होंने न्यूजीलैंड के डेरिल मिचेल (794 अंक) को पीछे छोड़कर नंबर-1 की कुर्सी पर कब्जा जमाया। गिल को हाल ही में इंग्लैंड के खिलाफ वनडे सीरीज में बनाए दो अर्धशतकों का फायदा मिला। वनडे रैंकिंग के टॉप-5 में भारत का दबदबा बरकरार है।

(विस्तृत खेल पेज पर)

रेत व्यापारी से 15 किलो सोना, 5.5 करोड़ कैश मिला

कोलकाता (एजेंसी)। पश्चिम बंगाल के बीरभूम पुलिस की ओर से रेत माफिया टुल्लू मंडल उर्फ मोहम्मद नजीबुद्दीन के खिलाफ लॉ एनफोर्समेंट ने बड़ी कार्रवाई की है। इस दौरान भारी मात्रा में कैश और सोने की ईंटें बरामद हुई हैं। सूत्र से मिली जानकारी के आधार पर एक सटीक ऑपरेशन के बाद बीरभूम पुलिस ने मोहम्मद बाजार पुलिस स्टेशन के तहत गैरकानूनी रेत माफिया टुल्लू मंडल उर्फ मोहम्मद नजीबुद्दीन के ठिकाने पर छापा मारा। ऑपरेशन में गैरकानूनी तरीके से जमा की गई भारी मात्रा में दौलत का पता चला। अब तक 5.5 करोड़ रुपये कैश बरामद हो चुका है। वहीं, 15 किलो सोना बरामद किया गया है।

आरोपी पहले था बस ड्राइवर : मीनार मंडल, मोहम्मदबाजार (बीरभूम) के रेत व्यापारी टुल्लू मंडल का साला है। मीनार मंडल कुछ साल पहले सरकारी बस ड्राइवर था। बाद में उसने वह नौकरी छोड़कर पत्थर खदान का कारोबार शुरू किया और टुल्लू के बिजनेस का काम भी संभालता था। टुल्लू का नाम पहले कोयला और मवेशी तस्करी के मामलों की जांच के दौरान सामने आया था। पुलिस ने मंगलवार देर रात मीनार के घर पर रेड डाली।

दिल्ली पुलिस ने लिखा पत्र

मोदी पर आपत्तिजनक और अभद्र पोस्ट हटाए एक्स

पोस्ट करने वाले का नाम, पता, मोबाइल नंबर व ईमेल भी मांगी

नई दिल्ली। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी समेत संवैधानिक पदों पर बैठे लोगों के खिलाफ एक्स पर कथित आपत्तिजनक और अभद्र टिप्पणियों को लेकर दिल्ली पुलिस ने बुधवार को पत्र लिखा। पुलिस ने प्लेटफॉर्म से संबंधित पोस्ट और वीडियो तत्काल हटाने, साथ ही उन्हें पोस्ट करने वाले अकाउंट होल्डर्स के नाम, पता, मोबाइल नंबर और ईमेल आईडी जैसी जानकारी देने को कहा है। एक दिन पहले सरकार ने मेटा को मोदी का वीडियो फेसबुक पर सीमित करने के लिए नोटिस जारी किया था। हालांकि बाद में मेटा ने दोबारा रीस्टोर कर दिया है। दिल्ली पुलिस ने अकाउंट के लॉगिन और लॉगआउट की जानकारी के साथ ही समय और तारीख का ब्योरा भी मांगा है।

1.79 एकड़ जमीन हासिल की

मीनाक्षी मंदिर की साठ करोड़ की जमीन हड़पी

फर्जी दस्तावेजों के जरिए किया कब्जा, 19 पर एफआईआर

मदुरै। तमिलनाडु के मदुरै के प्रसिद्ध मीनाक्षी मंदिर से जुड़ी एक चैरिटेबल ट्रस्ट की 1.79 एकड़ जमीन को फर्जी तरीके से हड़पने का मामला सामने आया है। इस जमीन की कीमत करीब 60 करोड़ बताई जा रही है। मदुरै सिटी सेंट्रल क्राइम ब्रांच ने इस मामले में 19 लोगों के खिलाफ एफआईआर दर्ज की है। आरोपियों ने जमीन के फर्जी ट्रांसफर, रजिस्ट्रेशन और मॉर्गेज ट्रांजेक्शन से जमीन हथियाने की साजिश रची। यह कार्रवाई मंदिर के संयुक्त आयुक्त और कार्यकारी अधिकारी सेल्लादुरई और भ्रष्टाचार विरोधी संस्था अरापोर इयक्कम की शिकायत पर की गई है। मामले में आरोप है कि 24 जून 2016 को तत्कालीन मदुरै उत्तर तहसीलदार अनबझगन ने सरकारी रिकॉर्ड से मंदिर का मालिकाना हक हटा दिया।

पाकिस्तानी मास्टरमाइंड के निर्देश पर वारदात

सस्ते टूर पैकेज का लालच देकर थाईलैंड बुलाया, तीन भारतीय टूरिस्टों का अपहरण

पुलिस ने तीनों को रेस्क्यू किया, पांच भारतीयों को पकड़ा

एजेंसी ▸▸ बैंकॉक

थाईलैंड में तीन भारतीय पर्यटकों का अपहरण करके उनके परिवारों से फिरौती मांगने का मामला सामने आया है। मीडिया रिपोर्ट्स के मुताबिक, पुलिस ने इस मामले में पांच भारतीय नागरिकों को गिरफ्तार किया है। पूछताछ में आरोपियों ने बताया कि उन्हें एक पाकिस्तानी नागरिक ने तीनों को किडनैप करने को कहा था। पुलिस ने तीनों लड़कों को रेस्क्यू कर लिया है। पीड़ितों की पहचान मोहित (23), आशीष (24) और हिमांशु (20) के रूप में हुई है। आरोपियों ने उन्हें सस्ते 7 दिन के टूर पैकेज का लालच देकर थाईलैंड के पटाया शहर बुलाया था। वहां पहुंचने के बाद उन्हें एक घर में बंधक बना लिया गया और उनके परिवारों से तीनों के बदले 40-40 लाख रुपये, यानी कुल 1.20 करोड़ रुपये की फिरौती मांगी गई।

तीनों के बदले 40-40 लाख रुपये मांगे
घर में बंधक बनाकर रखा

दुबई से निर्देश दे रहा था पाकिस्तानी मास्टरमाइंड

पुलिस के मुताबिक, गिरफ्तार आरोपियों की पहचान अवतार सिंह (38), जगजीत सिंह (38), रंभालक कुमार (24), सुखबीर सिंह (37) और कुलरा सिंह (27) के रूप में हुई है। पूछताछ में आरोपियों ने बताया कि वे पिछले एक महीने से चैट एप्लीकेशन के जरिए दुबई में बैठे एक पाकिस्तानी नागरिक के संपर्क में थे। उसी ने अपहरण की पूरी साजिश रची थी। फिरौती की रकम क्रिप्टोकरेंसी के जरिए लेने की योजना बनाई गई थी। इसके बदले आरोपियों को नकदी, कीमती सामान और थाईलैंड से बाहर जाने के लिए एयरलाइन टिकट देने का वादा किया गया था। पीड़ितों ने पुलिस को बताया कि उन्हें कई दिनों तक भूखा रखा गया। उनके हाथ-पैर बांध दिए गए और उल्टा लटकाकर बेरहमी से पीटा गया।

अतिथि व विस्तार प्राध्यापकों को बड़ी राहत, 57700 रुपये मासिक मानदेय के साथ मिलेगी वार्षिक वेतनवृद्धि

महंगाई भत्ते के अनुरूप हर वर्ष जनवरी और जुलाई में मानदेय में संशोधन किया जाएगा

■ सेवा सुरक्षा कानून में संशोधन: 21 जुलाई 2025 तक कार्यरत प्राध्यापक होंगे पात्र

हरिभूमि ब्यूरो ▶▶ चंडीगढ़

हरियाणा सरकार ने विस्तार और अतिथि प्राध्यापकों को बड़ी राहत देते हुए हरियाणा विस्तार प्राध्यापक एवं अतिथि प्राध्यापक (सेवा की सुनिश्चितता) संशोधन अधिनियम, 2026 अधिसूचित कर दिया है। संशोधन के बाद अब 21 जुलाई 2025 तक कार्यरत पात्र प्राध्यापक इस कानून के दायरे में आएंगे। सरकार ने संशोधन के तहत पात्रता की अंतिम तिथि बढ़ाने के साथ सेवा अवधि की परिभाषा में भी बदलाव किया है। अब सेवा की गणना एक वर्ष की संविदात्मक सेवा अवधि के आधार पर की जाएगी। संशोधित प्रावधानों के अनुसार पात्र प्राध्यापकों को 57,700 रुपये का समेकित मासिक मानदेय मिलेगा। महंगाई भत्ते के अनुरूप हर वर्ष जनवरी और जुलाई में मानदेय का पुनरीक्षण किया जाएगा। साथ ही एक वर्ष की सेवा पूरी होने पर सरकार वार्षिक वेतनवृद्धि भी अधिसूचित कर सकेगी। इसके अलावा अधिसूचित नीति के तहत पात्र प्राध्यापकों के लिए अनुकंपा वित्तीय सहायता अथवा हरियाणा कौशल रोजगार निगम (एचकेआरएन) के माध्यम से अनुकंपा नियुक्ति का भी प्रावधान किया गया है। राज्यपाल की मंजूरी मिलने के बाद संशोधित अधिनियम का राजपत्र में प्रकाशन कर इसे लागू कर दिया गया है।

अंबाला में 304 करोड़ रुपये से बनेगा मेगा इंडस्ट्रियल पार्क

चंडीगढ़। हरियाणा सरकार ने राज्य को देश के प्रमुख विनिर्माण केंद्र के रूप में विकसित करने की दिशा में बड़ा कदम उठाते हुए अंबाला में 304.10 करोड़ रुपये की लागत से अत्याधुनिक प्लग-एंड-प्ले इंडस्ट्रियल पार्क विकसित करने के प्रस्ताव को मंजूरी दे दी है। मुख्य सचिव अनुराग रस्तोगी की अध्यक्षता में राज्य स्तरीय समिति (एसएलसी) की बैठक में प्रस्ताव को स्वीकृति दी गई। अब इसे अंतिम मंजूरी के लिए केंद्र सरकार को भेजा जाएगा। 108.58 एकड़ क्षेत्र में विकसित होने वाला यह औद्योगिक पार्क एचएसआईआईडीसी के प्रस्तावित आईएमटी अंबाला में स्थापित किया जाएगा। सरकार का मानना है कि इससे उत्तर हरियाणा में औद्योगिक निवेश, विनिर्माण, लॉजिस्टिक्स और रोजगार के नए अवसर पैदा होंगे। बैठक में परियोजना के तकनीकी, वित्तीय और आधारभूत ढांचे की समीक्षा के बाद इसे केंद्र सरकार की भारत औद्योगिक विकास योजना (भाव्या) के तहत अनुशंसित किया गया।

■ 108 एकड़ में विकसित होगा प्लग-एंड-प्ले हब, 256 औद्योगिक प्लॉट और आधुनिक सुविधाएं होंगी उपलब्ध

ट्यूबवेल के पानी की जांच करवाएं किसान : राणा

चंडीगढ़। सरकार के कृषि एवं किसान कल्याण मंत्री श्याम सिंह राणा ने प्रदेश के किसानों से अपील की है कि वे अपने खेतों के ट्यूबवेल के पानी की नियमित रूप से जांच अवश्य करवाएं। उन्होंने कहा कि करवाओगे पानी की जांच, नहीं आएगी फसल उत्पादन पर आंच। उन्होंने कहा कि इस दिशा में तेजी से काम चल रहा है।

DISTRICT INFORMATION TECHNOLOGY SOCIETY SONIPAT

TENDER NOTICE

We invite sealed tenders under two bid systems i.e technical and financial for eligible and experienced bidders for providing manpower services (Junior Programmer, Accountant, Computer Operators, Peons, Watchman's, Security Guards, MTS etc.) to our society. The last date for submission the of bids (Technical & Financial) is August upto 12:00 hrs in District Information & Technology Society, Sonipat office, Room No. 302, 3rd Floor, Mini Secretariat, Sonipat 131001. Whereas, the bids will open on 10th August at 12:00 hrs.

Sd/- Deupty Commissioner-cum-Chairman, DITS, Sonipat.

NOTE (1) Deputy Commissioner-cum-Chairman, DITS, Sonipat reserves the right to accept or reject any tender bid without assigning any reasons.
(2) The required terms and conditions are available on our official District Website i.e. sonipat.gov.in.

खबर संक्षेप

अनुकंपा नियुक्ति किसी का निहित अधिकार नहीं

चंडीगढ़। पंजाब एवं हरियाणा हाई कोर्ट ने मृत पंप आपरेटर के भाई को अनुकंपा के आधार पर नौकरी देने की मांग खारिज करते हुए स्पष्ट किया है कि अनुकंपा नियुक्ति किसी का निहित अधिकार नहीं है। अदालत ने यह भी माना कि जिस पद पर नियुक्ति की मांग की गई थी, वह पहले से ही भरा हुआ है। इसके साथ ही कोर्ट ने कहा कि जिस सरकारी पत्र के आधार पर याचिकाकर्ता नियुक्ति की मांग कर रहा था, उसमें मृत कर्मचारियों के परिजनों को नौकरी देने का कोई निर्देश नहीं दिया गया था। जस्टिस निधि गुप्ता ने यह आदेश राजवीर की याचिका पर सुनाया।

हाईकोर्ट में रीडर की भर्ती पर जवाब तलब

चंडीगढ़। पंजाब एवं हरियाणा हाई कोर्ट में रीडर (लीगल) भर्ती-2025 की चयन प्रक्रिया को चुनौती देते हुए दो अभ्यर्थियों ने याचिका दायर की है। पिंजोर निवासी नीलम व अन्य ने आरोप लगाया है कि विवा वाइस में मनमाने ढंग से अत्यंत कम अंक देकर उन्हें चयन से बाहर कर दिया गया, जबकि लिखित परीक्षा और अन्य निर्धारित चरणों में वे निर्धारित योग्यता पूरी कर चुकी थीं। उन्होंने अंतिम चयन परिणाम के साथ-साथ उनकी आपत्तियां खारिज करने वाले आदेशों को भी रद्द करने की मांग की है। अब 22 सितंबर को सुनवाई होगी।

मुख्यमंत्री ने बांटे नियुक्ति पत्र, बोले-भाजपा ने पर्ची और खर्ची का सिस्टम खत्म किया

मेरिट बनी नौकरी की गारंटी, 3586 युवाओं को मिला नियुक्ति का तोहफा

हरिभूमि ब्यूरो ▶▶ चंडीगढ़

मुख्यमंत्री नायब सिंह सैनी ने कहा कि हरियाणा में भर्ती व्यवस्था में ऐतिहासिक बदलाव हुआ है। अब युवाओं को बिना पर्ची और बिना खर्ची के केवल मेहनत, योग्यता और प्रतिभा के आधार पर सरकारी नौकरियां मिल रही हैं। उन्होंने दोहराया कि प्रदेश में सरकारी भर्ती का एकमात्र आधार मेरिट है। मुख्यमंत्री बुधवार को पंचकूला के ताऊ देवीलाल स्टेडियम में आयोजित कार्यक्रम में ग्रुप-डी के 3,586 नव-चयनित कर्मचारियों को नियुक्ति पत्र प्रदान करने के बाद संबोधित कर रहे थे। इस दौरान उन्होंने छह कर्मचारियों को प्रतीकात्मक नियुक्ति पत्र भी सौंपे और सभी चयनित युवाओं को बधाई दी।

उन्होंने कहा कि विधानसभा चुनाव 2024 के संकल्प पत्र में दो लाख युवाओं को सरकारी नौकरी देने का वादा किया गया था। पिछले डेढ़ वर्ष में 42500 युवाओं को सरकारी नौकरी दी जा चुकी है, जबकि सरकार के साढ़े 11 वर्षों के कार्यकाल में करीब दो लाख युवाओं को पारदर्शी और मेरिट आधारित भर्ती प्रक्रिया के तहत रोजगार मिला है।

परिवारवाद व क्षेत्रवाद को खत्म किया

मुख्यमंत्री ने कहा कि पहले सरकारी नौकरियों पर कुछ परिवारों, क्षेत्रों और प्रभावशाली लोगों का वर्चस्व माना जाता था। योग्यता पीछे रह जाती थी और पर्ची, खर्ची, परिवारवाद व क्षेत्रवाद हावी रहता था। वर्तमान सरकार ने इस व्यवस्था को समाप्त कर हर जिले और हर वर्ग के युवाओं को समान अवसर दिए हैं। उन्होंने नवनियुक्त कर्मचारियों से कहा कि वे केवल ग्रुप-डी कर्मचारी नहीं, बल्कि गुड गवर्नेंस की डिलीवरी टीम हैं। सरकारी सेवा को जनसेवा का माध्यम मानते हुए लोगों की सेवा करें।

जालंधर में बाबा मोहन दास आश्रम में मुख्यमंत्री ने की पूजा-अर्चना

चंडीगढ़। हरियाणा के मुख्यमंत्री नायब सिंह सैनी जालंधर स्थित बाबा मोहन दास आश्रम पहुंचे। उन्होंने बाबा मोहन दास की प्रतिमा का अनावरण किया तथा विधिवत पूजा-अर्चना कर प्रदेश और देशवासियों की सुख-समृद्धि, शांति एवं खुशहाली की कामना की। इस अवसर पर मुख्यमंत्री नायब सिंह सैनी ने कहा कि संत महापुरुष भारतीय संस्कृति और आध्यात्मिक परंपरा के आधार स्तंभ हैं। उन्होंने अपने जीवन को मानव सेवा, परोपकार, प्रेम, भाईचारे और लोककल्याण के लिए समर्पित किया। उनके आदर्श समाज को सदैव सही दिशा दिखाते हैं और सभी को सेवा तथा मानवता के मार्ग पर चलने की प्रेरणा देते हैं। मुख्यमंत्री ने कहा कि बाबा मोहन दास जी का जीवन त्याग, तपस्या और जनसेवा का प्रतीक रहा है। उनके विचार आज भी समाज में सामाजिक समरसता, नैतिक मूल्यों और आध्यात्मिक चेतना को मजबूत करने का कार्य कर रहे हैं।

अभियुक्त व्यक्ति की हाजिरी की अपेक्षा करने वाली उद्घोषणा

(धारा 82(2) (ii) Cr.P.C./84 BNSS देखिए)

मेरे समक्ष परिवाद किया गया है कि अभियुक्त **सचिन पुत्र श्री सत्यवान निवासी वार्ड नंबर 34, बाग वाली गली, खरखौदा, सोनीपत, हरियाणा** ने केस **एफआईआर नं. 186/2026, अंतर्गत धारा 33/38/58 दिल्ली आबकारी अधिनियम, थाना केशव पुरम, दिल्ली** के अधीन दण्डनीय अपराध किया है (या संदेह है कि उसने किया है) और उस पर जारी किए गए गिरफ्तारी के वारंट को यह लिखकर लौटा दिया गया है कि उक्त अभियुक्त **सचिन** मिल नही रहा है, और मुझे सामाधानप्रद रूप में दर्शित कर दिया गया है कि उक्त अभियुक्त **सचिन** फरार हो गया हैं (या उक्त वारंट की तामील से बचने के लिए अपने आपको छिपा रहा हैं) इसलिए इसके द्वारा उद्घोषणा की जाती है कि केस **एफआईआर नं. 186/2026, अंतर्गत धारा 33/38/58 दिल्ली आबकारी अधिनियम, थाना केशव पुरम, दिल्ली** के उक्त अभियुक्त **सचिन** से अपेक्षा की जाती है कि वह इस न्यायालय के समक्ष (या मेरे समक्ष) उक्त परिवाद का उत्तर देने के लिए दिनांक **01.09.2026** को या उससे पहले हाजिर हों।

आदेशानुसार
संयम जैन
न्यायिक दण्डाधिकारी प्रथम श्रेणी–04
कमरा नं. 112, प्रथम तल
रोहिणी न्यायालय, दिल्ली

DP/10407/NW/2026
(Court Matter)

नोटिस

15वीं वाहिनी, भा.ति.सी.पुलिस बल (गृह मंत्रालय), परानु कैम्प, पत्रालय-गढ़ी, उधमपुर (जवक)

दल संख्या 967020677 है. कॉ. (चालक) नरेन्द्र कुमार पुत्र श्री राम कुमार ग्राम एवं पोस्ट- समचाना, तहसील-सांपला, जिला-रोहतक (हरियाणा) को 15वीं वाहिनी, भारत तिब्बत सीमा पुलिस के उक्त नोटिस के माध्यम से सूचित किया जाता है कि आपके द्वारा दिनांक 20.01.2026 को 1628 बजे Royal Enfield bullet Motorcycle CH01GA-8218 के साथ आवागमन शिविर (छावला), दिल्ली में अपनी आमद दी गई थी और आप दिनांक 24.01.2026 (अप्रा.) से बिना सक्षम अधिकारी की पूर्व अनुमति / सूचना के अनुपस्थित चल रहे है। आपकी अनुपस्थित के कारणों का पता लगाने हेतु गठित जाँच न्यायालय की संस्तुति के आधार पर आपको इस कार्यालय के आदेश संख्या 3390-99 दिनांक 27.05.2026 के तहत दिनांक 24.01.2026 (अप्रा.) से भगौड़ा (Deserter) घोषित किया जा चुका है। आपको उक्त नोटिस के माध्यम से पुनः निर्देशित किया जाता है कि आप इस नोटिस के प्रकाशन के 30 दिन के अन्दर, वाहिनी मुख्यालय, 15वीं वाहिनी, भारत तिब्बत सीमा पुलिस बल, परानु कैम्प, पोस्ट-गढ़ी, जिला-उधमपुर (ज.व.क.) में अपनी आमद दें अन्यथा यह समझा जायेगा कि आप बल में सेवा करने के इच्छुक नहीं हैं और भारत तिब्बत सीमा पुलिस बल अधिनियम 1992 एवं भारत तिब्बत सीमा पुलिस बल नियमावली 1994 में निहित प्रावधानों के अनुरूप एकतरफा निर्णय लेते हुए आपको सेवा से निष्काषित कर दिया जायेगा।

हस्ता/- कमांडेंट
15वीं वाहिनी, भा.ति.सी.पुलिस बल।

सीबीसी-19112/11/0067/2627

सीवरेज-मैनहोल की सफाई के दौरान हादसा होने पर अधिकारी नपेंगे : गंगवा

■ प्रदेश में निगरानी समिति बनेगी

चंडीगढ़। हरियाणा के जनस्वास्थ्य अभियांत्रिकी एवं लोक निर्माण (भवन एवं सड़कें) मंत्री रणबीर गंगवा ने सीवरेज और मैनहोल से जुड़े कार्यों में सामने आने वाली दुर्घटनाओं और लापरवाही के मामलों पर कड़ा रुख अपनाते हुए विभाग के अधिकारियों को सख्त निर्देश जारी किए हैं। उन्होंने स्पष्ट कहा है कि सुरक्षा नियमों में किसी भी तरह की लापरवाही अब बर्दाश्त नहीं की जाएगी। यदि किसी कर्मचारी की जान सुरक्षा उपायों की अनदेखी के कारण जाती है तो संबंधित अधिकारियों की जिम्मेदारी तय की जाएगी और उनके खिलाफ सख्त कार्रवाई होगी। कैबिनेट मंत्री रणबीर गंगवा ने बकायदा इसके लिए अहम फैसले लेते हुए निर्देश दिए है कि हरियाणा में निगरानी के लिए 7 समितियां बनाई जाएं। प्रत्येक समिति में मुख्य अभियंता, संबंधित सर्कल के अधीक्षण अभियंता और संबंधित मंडल के कार्यकारी अभियंता (एक्सईएन) शामिल होंगे। ये समितियां नियमित रूप से फील्ड का निरीक्षण करेंगी, सुरक्षा इंतजामों की जांच करेंगी और अपनी रिपोर्ट सीधे मुख्यालय भेजेंगी, जिसे तुरंत मंत्री के समक्ष रखा जाएगा। उन्होंने यह भी निर्देश दिए कि निरीक्षण निष्पक्ष और प्रभावी रहे।

स्वास्थ्य मंत्री ने आशा वर्कर्स से बैठक की, समस्याएं सुनीं

चंडीगढ़। स्वास्थ्य मंत्री आरती सिंह राव ने चंडीगढ़ में बहुउद्देशीय स्वास्थ्य पर्यवेक्षक (पुरुष/महिला) तथा आशा वर्कर यूनियन के प्रतिनिधियों के साथ बैठक की। इस बैठक का मुख्य उद्देश्य स्वास्थ्य क्षेत्र के इन अग्रिम पंक्ति के कर्मचारियों की समस्याओं, लंबे समय से लंबित मांगों और कार्यस्थल पर आ रही व्यावहारिक चुनौतियों को विस्तार से सुनना और उनका निराकरण करना था। इस अवसर पर स्वास्थ्य विभाग की अतिरिक्त मुख्य सचिव डॉ. सुमिता मिश्रा, नेशनल हेल्थ मिशन हरियाणा मिशन निदेशक आर. एस ढिल्लो, नेशनल हेल्थ मिशन के निदेशक डॉ. वीरेंद्र यादव समेत विभाग के कई अन्य वरिष्ठ अधिकारी भी विशेष रूप से उपस्थित रहे। बैठक के दौरान यूनियन के प्रतिनिधियों ने अपनी मांगों एवं समस्याओं को स्वास्थ्य मंत्री के समक्ष रखा।

नई एमएसएमई नीति से हरियाणा बनेगा विनिर्माण और निर्यात का नया केंद्र

चंडीगढ़। हरियाणा सरकार ने प्रदेश के गठन के 60 वर्ष पूरे होने के अवसर पर नई एमएसएमई एवं निर्यात प्रोत्साहन नीति लागू कर औद्योगिक विकास को नई दिशा देने की पहल की है। मुख्यमंत्री नायब सिंह सैनी के नेतृत्व में तैयार इस नीति का उद्देश्य राज्य को देश के प्रमुख विनिर्माण और निर्यात केंद्र के रूप में स्थापित करना है। नई नीति में एमएसएमई क्षेत्र के लिए 60 नई पहलें शामिल की गई हैं। सरकार ने अगले पांच वर्षों में 55 हजार करोड़ रुपये से अधिक निवेश आकर्षित करने, पांच लाख नए रोजगार सृजित करने और हरियाणा के निर्यात को दोगुना करने का लक्ष्य रखा है। नीति में पूंजीगत सब्सिडी, वेंचर कैपिटल फंड, निर्यात प्रोत्साहन, तकनीकी उन्नयन, गुणवत्ता सुधार, हरित विनिर्माण और कौशल विकास पर विशेष जोर दिया गया है। सरकार छोटे उद्योगों को 15 से 30 प्रतिशत तक पूंजीगत सब्सिडी, स्टार्टअप्स के लिए 200 करोड़ रुपये का वेंचर कैपिटल फंड, निर्यातकों को ब्याज सहायता और फ्रेट सब्सिडी उपलब्ध कराएगी। साथ ही रोबोटिक्स, एआई, इंटरनेट ऑफ थिंग्स और स्मार्ट मैन्युफैक्चरिंग को प्रोत्साहन मिलेगा।

■ 55 हजार करोड़ निवेश, पांच लाख रोजगार और 60 नई पहलें सरकार के लक्ष्य

वाराणसी से पवित्र मिट्टी लेकर गुरुग्राम पहुंचेगा भाजपा प्रतिनिधिमंडल

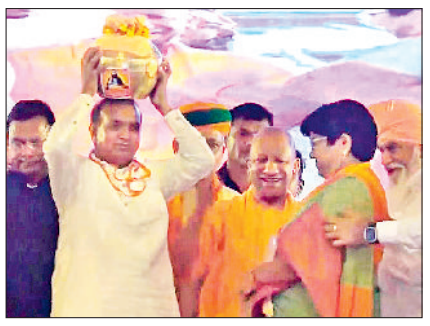

चंडीगढ़। संत शिरोमणि गुरु रविदास महाराज की 650वीं जयंती के उपलक्ष्य में भारतीय जनता पार्टी की ओर से गुरुवार को गुरुग्राम में भव्य कलश वंदन यात्रा निकाली जाएगी। वाराणसी स्थित संत रविदास की जन्मस्थली से पवित्र मिट्टी लेकर भाजपा प्रतिनिधिमंडल गुरुग्राम पहुंचेगा, जहां सरहोल बॉर्डर पर सर्व समाज की ओर से भव्य स्वागत किया जाएगा। उत्तर प्रदेश के मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने वाराणसी में हरियाणा भाजपा अनुसूचित जाति मोर्चा के प्रदेश अध्यक्ष सत्य प्रकाश जरावता के सिर पर पवित्र मिट्टी से सुशोभित कलश स्थापित कर यात्रा को रवाना किया। इस अवसर पर भाजपा के राष्ट्रीय महामंत्री तरुण चुघ सहित कई वरिष्ठ नेता मौजूद रहे। यह यात्रा सरहोल बॉर्डर से शुरू होकर शीतला माता मंदिर तक जाएगी।

■ उत्तर प्रदेश के मुख्यमंत्री ने यात्रा को रवाना किया

उत्तर रेलवे

खुली निविदा सूचना संख्या ETrU-T-10-2026-27

वरि. मंडल विद्युत अभियंता/क.वि./उत्तर रेलवे, अम्बाला छावनी द्वारा भारत के राष्ट्रपति की ओर से निम्नलिखित कार्यों के लिए ई–टेंडरिंग के माध्यम से निविदायें आमंत्रित करते हैं। इन निविदाओं को प्रत्येक कार्य के आगे दर्शाई गई तिथि को **15:00 बजे** तक **www.ireps.gov.in** पर अपलोड किया जा सकता। इनको **15:00 बजे** के उपरांत तत्काल खोला जायेगा।

क्र. सं. 1. : निविदा संख्या : ETrU-T-10-2026-27
कार्य का विवरण : राजपुरा, जगाधरी वर्कशॉप और कुराली ट्रैक्शन सब–स्टेशन के डबल ट्रांसफॉर्मर के कंट्रोल और रिले पैनल को न्यूमेरिकल रिले (RDSO स्पेसिफिकेशनTI/SPC/PSI/PROTCT/6072 या लेटेस्ट के अनुसार बदलने हेतु कार्य।
निविदा बंद/खुलने की तिथि : 20.08.2026
लगभग लागत : रु. 3,13,00,047.17/-
धरोहर राशि : रु. 6,26,000/-
कार्य पूरा करने की अवधि : 06 महीने
वैधता अवधि : 60 दिन
टेण्डर फॉर्म की कीमत : Downloading through IREPS portal -NIL, (Rs. 10,000/- Sr.DEE/TRD/UMB ऑफिस से हार्ड कॉपी के लिए)

1. निविदाकार को सभी जरूरी योग्यता दस्तावेज एवं PAN/GSTIN की Scanned Copies IREPS पोर्टल पर अपलोड करनी है। **2.** निविदाकार के पास ई–निविदा में भाग लेने के लिए क्लास-III Digital Signature Certificate होनी चाहिए। **3.** कार्य में GST, BOCWW, Income Tax एवं नियमानुसार आवश्यक टैक्स लागू होंगे। **4.** कार्य में सिमिलर नेचर कंडीशन लागू हैं एवं इस प्रकार हैः **"Railway Board/RDSO Guideline for eligibility criteria to be followed" OR "Interfacing of numerical relays to SCADA system through serial communication port based on IEC Protocol".** **5.** टेंडर डॉक्यूमेंट एवं निविदा सूचना की विस्तृत जानकारी के लिए रेलवे वेबसाइट **www.ireps.gov.in** पर जाये।

सं.: ETrU-T-10-2026-27 दिनांक: 29.07.2026 **2615/2026**

ग्राहकों की सेवा में मुस्कान के साथ

हरियाणा लोक सेवा आयोग
बेज नं. 1–10, ब्लॉक–बी, सेक्टर–4, पंचकूला

घोषणा

विषय : अभियोजन विभाग, हरियाणा में सहायक जिला न्यायवादी (विज्ञा.सं. 18/2025) और विधि एवं विधायी विभाग, हरियाणा में अधीक्षक (कानूनी) (विज्ञा.सं. 01/2025) के पदों हेतु संयुक्त विषय ज्ञान परीक्षा।

नीचे वर्णित पदों के लिए विषय ज्ञान परीक्षाओं हेतु क्वालीफाइड हो चुके उम्मीदवारों की सामान्य जानकारी के लिए एतद द्वारा यह घोषणा की जाती है कि आयोग ने घोषणा दिनांक 21.05.2026 और 09.06.2026 के तहत दिये गये कार्यक्रम, जोकि निम्नानुसार है, के अनुरूप संयुक्त विषय ज्ञान परीक्षा आयोजित करने का निर्णय लिया है :-

क्र.सं.	पद व विभाग का नाम	विज्ञा. सं.	परीक्षा की तिथि व समय
1.	अभियोजन विभाग, हरियाणा में सहायक जिला न्यायवादी	18/2025	09.08.2026 पूर्वा. 10:00 बजे से अप. 1:00 बजे तक
2.	विधि एवं विधायी विभाग, हरियाणा में अधीक्षक (कानूनी)	01/2025	

उम्मीदवारों को अपने प्रवेश–पत्र आयोग की वेबसाइट अर्थात **https://hpsc.gov.in** पर उपलब्ध करवाए गए लिंक से 03.08.2026 से डाउनलोड करने का परामर्श दिया जाता है।

आगे यह स्पष्ट किया जाता है कि सभी उम्मीदवार जो उपरोक्त पदों के लिए विषय ज्ञान परीक्षा हेतु क्वालीफाइड हो चुके हैं, को परीक्षा में उपस्थित होने के लिए अंतरिम रूप से अनुमति दी जा रही है, जो विज्ञापन के अनुरूप सभी पात्रता शर्तें पूर्ण करने के अधीन है।

टिप्पणियां :-

1. *उम्मीदवारों को प्रवेश–पत्र डाउनलोड करने और ए–4 साइज पेपर पर इसका प्रिंट लेने का निर्देश दिया जाता है ताकि उनके फोटो और अन्य विवरण आसानी से देखे / प्रमाणित किये जा सकें। अस्पष्ट फोटो / हस्ताक्षरों सहित छोटे आकार के प्रवेश–पत्र वाले उम्मीदवारों को परीक्षा केन्द्र में प्रवेश करने की अनुमति नहीं दी जाएगी।*
2. *उम्मीदवारों को प्रवेश–पत्र पर दिये गये सभी निर्देश बहुत ध्यानपूर्वक पढ़ने का परामर्श दिया जाता है।*

दिनांक : 29.07.2026
हस्ता/- उप सचिव
संवाद–1156/13/387/2027/47650/88/6 दि. 29.07.26
हरियाणा लोक सेवा आयोग, पंचकूला

हरियाणा सरकार **निविदा सूचना**

क्र. सं.	विभाग का नाम	कार्य सूचना निविदा का नाम	खुलने की तिथि बंद होने की तिथि	राशि/ईएमडी (लगभग) रु. में	विभाग की वेबसाइट	नोडल अधिकारी / सम्पर्क विवरण/ई-मेल
1	लोनिवि भ व प करनाल	पानीपत जिले में सुताना से भादर तक रोड का नया निर्माण (एचटी/एलटी लाइन की शिफ्टिंग) + 4 कार्य।	29.07.2026 04.08.2026	58.80 लाख	https://etenders.hry.nic.in	1842265696 pwd-eeed-karnal@hry.nic.in
2	पंचायती राज रेवाड़ी	गांव बेरली खुर्द ब्लॉक जाटूसाना जिला रेवाड़ी में ग्राम सचिवालय का निर्माण।	28.07.2026 06.08.2026	60.13 लाख	https://etenders.hry.nic.in	9466112077 xenpr.rwr@gmail.com
3	पंचायती राज रोहतक	गांव सिंघपुरा कलां में एससी बस्ती से मनु वाला तालाब तक नाला का निर्माण + 1 कार्य।	28.07.2026 04.08.2026	7.50 लाख	https://etenders.hry.nic.in	1262254150 prexeeng.roh@hry.nic.in
4	पंचायती राज भिवानी	गांव झुंडावास (चन्दावास), ब्लॉक कैरू में ग्रे वाटर मैनेजमेंट (नाहवीन प्रोजेक्ट) का निर्माण, स्कीम–एसबीएमजी।	28.07.2026 03.08.2026	14.91 लाख	https://etenders.hry.nic.in	1664243927 prexeeng.bhw@hry.nic.in
5	एसएचकेएम राजकीय चिकित्सा महाविद्यालय नल्हार, नूह	शहीद हसन खान मेवाती राजकीय चिकित्सा महाविद्यालय नल्हार, नूह में डेंटीस्ट्री विभाग के लिए डेंटल मदों की खरीद हेतु निविदा।	30.07.2026 17.08.2026	4.31 लाख	https://etenders.hry.nic.in	126700282 dirshkmnuh.med-hry@gov.in
6	एसएचकेएम राजकीय चिकित्सा महाविद्यालय नल्हार, नूह	शहीद हसन खान मेवाती राजकीय चिकित्सा महाविद्यालय नल्हार, नूह में माइक्रो बायोलॉजी विभाग हेतु एंटीबायोटिक डिस्क्स की खरीद के लिए निविदा।	30.07.2026 17.08.2026	98,280/-	https://etenders.hry.nic.in	126700282 dirshkmnuh.med-hry@gov.in
7	पंचायती राज झज्जर	गांव जहांगीरपुर, ब्लॉक बादली, जिला झज्जर में बाल्मिकी बस्ती से बोरिया रोड तक फिरनी का अपग्रेडेशन।	27.07.2026 04.08.2026	38.05 लाख	https://etenders.hry.nic.in	9992221462 prexeeng.jjr@gmail.com
8	वन विभाग भिवानी	नये प्लांटेशन और रखरखाव के लिए निविदा और 11 अन्य कार्य।	13.07.2026 03.08.2026	943.96 लाख	https://etenders.hry.nic.in	01664-242430 dfo.bhiwani@yahoo.com
9	वन विभाग फतेहाबाद	नया पौधारोपण कार्य 2026–27 और पांच वर्षीय रखरखाव कार्य 2027–28 से 2031–32 एनपीवी स्कीम + 3 कार्य।	23.07.2026 03.08.2026	125.06 लाख	https://etenders.hry.nic.in	9466859122 dfo.fatehabad@yahoo.co.in
10	वन विभाग फतेहाबाद	भट्टू ब्लॉक में कैम्पा स्कीम के तहत दो वर्षीय रखरखाव कार्य 2026–27 से 2027–28 + 6 कार्य।	24.07.2026 03.08.2026	334.35 लाख	https://etenders.hry.nic.in	9466859122 dfo.fatehabad@yahoo.co.in

अधिक जानकारी हेतु कृपया पधारें: www.etenders.hry.nic.in पीआरडीएच–11/2027/200/47656/I/88/6 दि. 29.07.26

खबर संक्षेप

तीन हजार रुपये की रिश्वत लेते पुलिसकर्मी गिरफ्तार, दूसरा फरार

करनाल। भ्रष्टाचार निरोधक ब्यूरो (एसीबी) की टीम ने बुधवार को बड़ी कार्रवाई करते हुए सेक्टर-9 पुलिस चौकी में तैनात पुलिसकर्मी संजीव को 3 हजार रुपये की रिश्वत लेते हुए रंगे हाथ गिरफ्तार कर लिया। वहीं, मामले में शामिल दूसरा पुलिसकर्मी महादेव मौके से फरार हो गया, जिसकी तलाश की जा रही है। जानकारी के अनुसार, शिकायतकर्ता से उसकी स्कूटी छोड़ने की एवज में दोनों पुलिसकर्मियों ने 4 हजार रुपये की रिश्वत की मांग की थी। शिकायत मिलने के बाद एसीबी ने जाल बिछाया और कार्रवाई के दौरान संजीव को 3 हजार रुपये की रिश्वत लेते हुए दबोच लिया।

14 माह में निवेश दोगुना करने के नाम पर ठगी के दो आरोपी पकड़े

भिवानी। पुलिस की जिला अनुसंधान इकाई ने नेक्सा एवरग्रीन धोलेरा कंपनी के माध्यम से रुपये दोगुने करने का झांसा देकर 15,60,000 की धोखाधड़ी करने के मामले में दो आरोपियों को गिरफ्तार करने में सफलता हासिल की है। जानकारी के अनुसार, पवन कुमार निवासी वार्ड नंबर-9, गांव चांग ने शिकायत दी थी कि नेक्सा एवरग्रीन धोलेरा तथा उससे जुड़ी अन्य कंपनियों के संचालकों ने लोगों को अपनी कंपनी में निवेश करने के लिए प्रेरित किया। आरोपियों ने गुजरात के धोलेरा स्मार्ट सिटी प्रोजेक्ट में निवेश का झांसा देते हुए मात्र 14 माह में निवेश की राशि दोगुनी करने तथा प्रत्येक माह 3 प्रतिशत रिटर्न देने का लालच दिया। शिकायतकर्ता ने 15,60,000 का निवेश किया, लेकिन उसे केवल 91,657 ही वापस मिले।

ब्रज मंडल यात्रा को लेकर किया ड्रोन सर्वे

नूंह। तीन अगस्त को प्रस्तावित ब्रज मंडल जलाभिषेक यात्रा को लेकर प्रशासन ने तैयारियां तेज कर दी हैं। यात्रा के शांतिपूर्ण, सुरक्षित और व्यवस्थित आयोजन के लिए जिला प्रशासन लगातार निगरानी कर रहा है। इसी क्रम में बुधवार को जिला प्रशासन के निर्देश पर यात्रा मार्ग और प्रमुख धार्मिक स्थलों का ड्रोन सर्वे कराया गया। उपायुक्त और पुलिस अधीक्षक के निर्देश पर प्रशासनिक टीम ने नल्हड़ेश्वर मंदिर, फिरोजपुर झिरका स्थित मंदिर तथा सिंगार क्षेत्र के मंदिर का ड्रोन सर्वे किया।

फर्जी नंबर प्लेट लगी थार से हथियार और 13 मोबाइल सहित एक काबू

नूंह। जिले की फिरोजपुर झिरका सदर थाना पुलिस ने एक बड़ी कार्रवाई करते हुए फर्जी नंबर प्लेट लगी थार गाड़ी, अवैध देशी कट्टा, दो जिंदा कारतूस और 13 संदिग्ध मोबाइल फोन बरामद कर एक आरोपी को गिरफ्तार किया है। पुलिस प्रवक्ता के अनुसार एक टीम 28 जुलाई को बीवा रोड क्षेत्र में गश्त कर रही थी। सूचना मिली कि ताज मोहम्मद, समीम निवासी जैताका, जिला नूंह तथा उसके साथी थार में फर्जी नंबर प्लेट लगाकर घूम रहे हैं। यहां छापा मारकर पुलिस ने ताज मोहम्मद को पकड़ लिया।

पीयू में महेंद्रगढ़ की छात्रा की करंट से मौत मामले में प्रशासन ने की कार्रवाई

दो इंजीनियर सस्पेंड, भाई को नौकरी व मुआवजा मिलेगा

हरिभूमि न्यूज ▶▶ चंडीगढ़/कनीना

चंडीगढ़ स्थित पंजाब यूनिवर्सिटी में महेंद्रगढ़ के गांव ककराला की पीएचडी स्कॉलर ज्योति की करंट से मौत के मामले में पीयू प्रशासन ने कार्रवाई शुरू कर दी है। बुधवार को एग्जीक्यूटिव इंजीनियर-2 (अतिरिक्त प्रभार) अनिल ठाकुर और सब डिविजनल इंजीनियर (इलेक्ट्रिकल) लखविंदर सिंह धनोआ को सस्पेंड कर दिया गया। वहीं, छात्रों व परिजनों से लंबी बातचीत के बाद पीयू प्रशासन ने मृतका के भाई को यूनिवर्सिटी में इलेक्ट्रिशियन की नौकरी और परिवार को मुआवजे के तौर पर 16 लाख रुपये देने का आश्वसन दिया। वहीं, इसके बाद गांव ककराला में ज्योति का बेहद गमगीन माहौल में अंतिम संस्कार किया गया।

ज्योति पीयू के साउथ कैंपस के हॉस्टल नंबर-10 में रहती थी। वह मंगलवार सुबह हॉस्टल नंबर-8 के पास होते हुए जा रही थी। मंगलवार सुबह के वक्त तेज बारिश हो रही थी, जिससे सड़क पर करीब आधा फीट पानी भरा हुआ था। इससे ज्योति सड़क के बजाय फुटपाथ से होकर जा रही थी। जब वह हॉस्टल नंबर-8 के पीछे वाले गेट से 15 मीटर पास पहुंची तो यहां पर फुटपाथ पर एक मोटी केबल पड़ी हुई थी, जिस पर कट था। बारिश की नमी के कारण केबल में स्पार्किंग हुई, जिससे फुटपाथ पर करंट फैल गया। जब वहां से ज्योति निकली तो करंट लग गया। इसके बाद विद्यार्थियों ने वीसी कार्यालय का घेराव कर प्रदर्शन किया।

छोटे किसान परिवार की बेटी थी ज्योति, नेट व सीटेट पास थी

कनीना। ज्योति बेहद साधारण किसान परिवार से थी। उसने स्कॉलरशिप के दम पर पीयू के माइक्रोबॉयोलॉजी विभाग में पीएचडी में दाखिला लिया था। उसके पिता रविंद्र कुमार एक छोटे किसान हैं। ककराला गांव के पूर्व सरपंच कृष्ण सिंह, महेंद्र सिंह ने बताया कि ज्योति बचपन से ही पढ़ाई में अव्वल थी। जैसे उसके निधन का समाचार गांव पहुंचा, वैसे ही गांव में मातम पसर गया। नवंबर माह में ही उसकी शादी तय थी। परिवार के अनुसार, ज्योति शुरू से ही पढ़ाई में होशियार थी। उसने ककराला गांव के एसडी स्कूल से 12वीं पास की। इसके बाद गुरुग्राम के गवर्नमेंट गर्ल्स कॉलेज से बीएससी की पढ़ाई की। फिर एमएससी करने के लिए हिसार की गुरु जंभेश्वर यूनिवर्सिटी पहुंची। ज्योति ने मीरपुर से बीएड करने के बाद सीटेट भी पास किया। उसने नेट जेआरएफ पास कर पीएचडी में प्रवेश लिया।

नई वीसी ने संभाला कार्यभार

इधर, यूनिवर्सिटी की वीसी प्रो. रेणू विज का मंगलवार को ही कार्यकाल खत्म हो गया। उन्होंने शोधार्थी की मौत पर दुख व्यक्त किया। अब उनकी जगह डॉ. मीनाक्षी गोयल को कार्यवाहक वीसी नियुक्त किया गया है। जो वर्तमान में डीन ऑफ यूनिवर्सिटी इंस्ट्रक्शन के पद पर हैं।

छोटा गैस सिलेंडर रिफिल करते समय ब्लास्ट, चार लोग झुलसे

हरिभूमि न्यूज ▶▶ रेवाड़ी

धारूहेड़ा के ओम नगर कॉलोनी में बुधवार देर सायं एक दुकान पर छोटा गैस सिलेंडर रिफिल करते समय जबरदस्त ब्लास्ट हो गया, जिसमें चार लोग घायल हो गए। घायलों में दो की हालत नाजुक बताई जा रही थी। उन्हें उपचार के लिए टॉमा सेंटर में दाखिल कराया गया है। फायर ब्रिगेड और पुलिस सूचना मिलते ही मौके पर पहुंच गए। सभी घायल कंपनी कर्मचारी बताए जा रहे हैं, जो किराए के कमरे में रह रहे थे।

कॉलोनी में रहने वाले मूल रूप से बिहार के वैशाली के अभय कुमार, विनय, चंदन और पिंटू गरीब नगर के पास किराए का कमरा लेकर रह रहे हैं। चारों पास में ही एक परचून की

दुकान पर मौजूद थे। वहां बड़े एलपीजी सिलेंडर से छोटे में गैस रिफिल की जा रही थी। इसी दौरान अचानक गैस लीक होने से सिलेंडर में धमाका हो गया। चारों लोग आग की लपटों की चपेट में आकर झुलस गए। सूचना मिलते ही फायर ब्रिगेड की गाड़ी ने मौके पर जाकर सिलेंडर में लगी आग पर काबू पाया। झुलसे हुए लोगों को अस्पताल पहुंचाया गया, जहां दो की हालत नाजुक बताई जा रही थी।

देश का पहला मामला : फरीदाबाद से केमिकल के 42 ड्रम जब्त

नकली औषधीय रसायन का भंडाफोड़, खांसी की दवाओं में मिलकर बन सकता था जहर

- प्रोपाइलीन ग्लाइकोल कई दवाओं में आता है काम

हरिभूमि न्यूज ▶▶ चंडीगढ़

हरियाणा खाद्य एवं औषधि प्रशासन ने फरीदाबाद में औषधीय कच्चे माल की कथित नकली पैकिंग करने वाले एक गिरोह का भंडाफोड़ किया है। विभाग ने इसे देश में अपनी तरह का पहला मामला बताया है। जांच में सामने आया कि खांसी की दवाओं समेत अन्य औषधियों के निर्माण में इस्तेमाल होने वाले औषधीय श्रेणी के प्रोपाइलीन ग्लाइकोल को प्रतिष्ठित कंपनी के नाम से कथित रूप से नकली पैकिंग कर बाजार में बेचा जा रहा था। विभाग के अनुसार यदि इस रसायन में जहरीली अशुद्धियां निर्धारित सीमा से अधिक होती तो यह विशेषकर बच्चों और गंभीर मरीजों के लिए जानलेवा साबित हो सकता था।

अतिरिक्त मुख्य सचिव (स्वास्थ्य एवं परिवार कल्याण) डॉ. सुमिता मिश्रा ने बुधवार को बताया कि विभाग की जानकारी के अनुसार भारत में पहली बार औषधीय श्रेणी के प्रोपाइलीन ग्लाइकोल की कथित नकली पैकिंग और ब्रांड की नकल का मामला सामने आया है। उन्होंने कहा कि यह केवल नकली उत्पाद बेचने का मामला नहीं, बल्कि देश की औषधि आपूर्ति श्रृंखला और मरीजों की सुरक्षा पर सीधा हमला है।

उन्होंने बताया कि स्वास्थ्य मंत्री आरती राव के मार्गदर्शन, खाद्य एवं औषधि प्रशासन के आयुक्त डॉ. मनोज कुमार तथा राज्य औषधि नियंत्रक रिपन मेहता के नेतृत्व में नकली और मिलावटी दवाओं के कारोबार के खिलाफ शून्य सहिष्णुता नीति के तहत लगातार अभियान चलाया जा रहा है। डॉ. मिश्रा ने बताया कि प्रयोगशाला जांच से यह स्पष्ट होगा कि जब्त रसायन में डाइएथिलीन ग्लाइकोल अथवा एथिलीन ग्लाइकोल जैसी जहरीली अशुद्धियां निर्धारित सीमा से अधिक हैं या नहीं।

उन्होंने कहा कि ऐसी अशुद्धियां गुर्दों के काम करना बंद करने, तंत्रिका तंत्र को गंभीर नुकसान पहुंचाने और मृत्यु तक का कारण बन सकती हैं। हाल के महीनों में मध्यप्रदेश और राजस्थान में ऐसे प्रदूषण से जुड़ी मौतों के मामले भी सामने आए हैं।

प्रतिष्ठित कंपनी का लेबल लगा बेच रहे थे

विशिष्ट शिकायत मिलने पर 28 जुलाई को फरीदाबाद के आईएमटी सेक्टर-69 स्थित मैसर्स कोकाना एशिया इंग्रीडिएंट्स प्राइवेट लिमिटेड में छापेमारी की गई। जांच में कथित रूप से पाया गया कि औद्योगिक श्रेणी के प्रोपाइलीन ग्लाइकोल को प्रतिष्ठित कंपनी मनाली पेट्रोकेमिकल्स लिमिटेड के नाम और पहचान वाले ड्रमों में भरकर असली औषधीय उत्पाद के रूप में बेचा जा रहा था। कार्रवाई के दौरान प्रोपाइलीन ग्लाइकोल से भरे 42 ड्रम, चीन निर्मित खाली ड्रम, स्थानांतरण पंप, प्रतिष्ठित कंपनी के नाम वाले सील कवर और सीलिंग तार बरामद किए गए। जब्त सामग्री का मूल्य 24.83 लाख रुपये आंका गया है। रसायन के नमूने जांच के लिए प्रयोगशाला भेजे गए हैं।

खरीदारों की तलाश

कंपनी के प्रबंधक को औषधि एवं प्रसाधन सामग्री अधिनियम, 1940 के तहत गिरफ्तार कर न्यायालय में पेश किया गया है। विभाग अब यह पता लगाएगा कि यह कथित नकली औषधीय रसायन किन-किन दवा निर्माताओं तक पहुंचा और यह नेटवर्क कहां तक फैला है।

उधार दिए पैसे वापस न मिलने व रेप के झूठे केस के डर से व्यक्ति ने किया सुसाइड

वीडियो में दो महिलाओं व दो पुरुषों का नाम ले खाया जहर, आरोपी महिला ने भी दी जान

हरिभूमि न्यूज ▶▶ ढांड

गांव ढांड में एक व्यक्ति ने जहरीला पदार्थ खाकर आत्महत्या कर ली है। मरने से पहले

उसने एक वीडियो बनाकर सोशल मीडिया पर वायरल कर दिया, जिसमें उसने दो महिलाओं और दो पुरुषों को अपनी मौत के लिए जिम्मेदार ठहराया। चलती कार में बनाया गया यह वीडियो सामने आने के बाद परिवार में हड़कंप मच गया। मृतक की पहचान कस्बा ढांड के 43 वर्षीय दिलबाग के रूप में हुई है। वहीं, घटना के पांच घंटे बाद एक आरोपी महिला ने भी जहर निगलकर जान दे दी। पुलिस को दी शिकायत में दिलबाग की पत्नी सुमन ने आरोप लगाया कि उसके पति ने काला और कृष्ण से 7 लाख रुपये लेने थे। वह बार-बार मांगने पर भी पैसे लौटा नहीं रहे थे, बल्कि उसके पति को धमकी देते थे कि उसको छेड़छाड़ तथा रेप के झूठे केस में फंसवा देंगे। इससे परेशान होकर उसके पति ने आत्महत्या की है। वायरल वीडियो में मृतक दिलबाग ने जड़ौला निवासी कृष्ण उर्फ डालू, काला ढांड, सीमा कयोड़क तथा रानी को अपनी मौत का जिम्मेदार ठहराया।

ड्राइवर था मृतक, बेटे की भी हो चुकी मौत

मृतक दिलबाग ट्रक ड्राइवर था। कुछ दिनों पहले उसके लड़के की भी मौत हो गई थी। वह अपने पीछे एक लड़की तथा पत्नी को छोड़ गया। उसकी मौत के बाद घर में कमाने वाला कोई नहीं रहा।

वहीं, घटना के पांच घंटे बाद एक आरोपी महिला क्योड़क निवासी सीमा ने भी जहर खा लिया। परिवार को इसका पता चला तो उसे तुरंत सिविल अस्पताल लाया गया, लेकिन तब उसकी मौत हो गई थी। पुलिस के मुताबिक, मृतक सीमा सनसिटी एरिया में काम करती थी। उसके परिवार में दो बेटे, एक लड़की है। सभी शादीशुदा हैं। वह आरोपी जडोला निवासी कृष्ण की जानकार है। कृष्ण और दिलबाग का पैसों का लेनदेन था। उसी के जरिए दिलबाग से पहचान हुई। मृतका सीमा पक्ष के की ओर से पुलिस को कोई शिकायत नहीं मिली है। ढांड थाना प्रभारी सब इंस्पेक्टर शक्ति सिंह ने बताया कि ढांड निवासी मृतक दिलबाग की पत्नी की शिकायत के आधार पर कृष्ण,कालू, सीमा तथा रानी के खिलाफ विभिन्न धाराओं में मामला दर्ज किया गया है। शव का पोस्टमार्टम करवा कर परिजनों को सौंप दिया गया है। मामले की गहनता से जांच जारी है। जांच के बाद जो भी तथ्य सामने आएंगे उसके आधार पर कानूनी कार्रवाई अमल में लाई जाएगी।

विलाप करते दिलबाग के परिजन।

हिसार रेलवे स्टेशन के पास हादसा टला

ट्रेन के एलपीजी टैंकर से गैस रिसाव, 3 घंटे में पाया काबू

- गैस टैंकर के ऊपरी हिस्से पर बने हैच से रिसाव हुआ था

हरिभूमि न्यूज ▶▶ हिसार

हिसार रेलवे स्टेशन के पास बुधवार को 37 टन एलपीजी से भरे एक रेलवे टैंकर से गैस रिसाव होने से हड़कंप मच गया। पंजाब के बठिंडा से झज्जर जा रही मालगाड़ी के एक वैगन में रिसाव का पता नियमित जांच के दौरान सुबह करीब 8 बजे चला। घटना सूर्यनगर रेलवे फाटक के पास घनी आबादी वाले क्षेत्र में होने के कारण रेलवे प्रशासन ने तुरंत आपात कार्रवाई शुरू कर दी।

स्थिति की गंभीरता को देखते हुए रिसाव वाले वैगन को पूरी रैक से अलग कर सुरक्षित स्थान पर ले जाया गया। सूचना मिलते ही दमकल विभाग, रेलवे सुरक्षा बल (आरपीएफ), जीआरपी, जिला प्रशासन और अन्य संबंधित विभाग मौके पर पहुंच गए। फायर ब्रिगेड ने पूरे क्षेत्र को सुरक्षा घेरे में लेकर

निगरानी शुरू कर दी। जांच में पता चला कि गैस टैंकर के ऊपरी हिस्से पर बने हैच (ढक्कन) से रिसाव हो रहा था। इसके बाद जींद और बठिंडा से रेलवे की विशेष तकनीकी टीमों को बुलाया गया।

विशेषज्ञों ने करीब ढाई से तीन घंटे तक लगातार प्रयास कर गैस रिसाव को पूरी तरह नियंत्रित कर लिया। अधिकारियों के अनुसार टैंकर में करीब 37 टन एलपीजी भरी हुई थी, इसलिए समय पर कार्रवाई नहीं होती तो बड़ा हादसा हो सकता था। रेलवे के मुख्य जनसंपर्क अधिकारी अमित सुदर्शन ने बताया कि सूचना मिलते ही आपात व्यवस्था लागू कर दी गई थी और तकनीकी टीमों ने रिसाव को पूरी तरह नियंत्रित कर लिया।

माता-पिता दोनों की मौत पर ही मिलेगी अनाथ की वेटेज

चंडीगढ़। पंजाब एवं हरियाणा हाईकोर्ट ने हरियाणा पुलिस भर्ती में अनाथ अभ्यर्थियों को दिए जाने वाले पांच अंकों के वेटेज को लेकर बड़ा फैसला सुनाते हुए स्पष्ट कर दिया है कि केवल पिता की मृत्यु हो जाने से कोई अभ्यर्थी अनाथ नहीं माना जा सकता। अदालत ने कहा कि भर्ती विज्ञापन के उद्देश्य और राज्य सरकार की व्याख्या के अनुसार अनाथ वही होगा, जिसके माता-पिता दोनों का निधन हो चुका हो। इसके साथ ही पिता की मृत्यु या तो 42 वर्ष की आयु पूरी करने से पहले हुई हो अथवा अभ्यर्थी के 15 वर्ष की आयु पूरी होने से पहले हुई हो। न्यायमूर्ति हरसिमरन सिंह सेठी और न्यायमूर्ति अमरिंदर सिंह ग्रेवाल की खंडपीठ ने हरियाणा स्टाफ सेलेक्शन कमीशन (एचएसएससी) की 51 लेटर पेटेंट अपीलों को स्वीकार करते हुए 16 मई 2023 के सिंगल बेंच के फैसले को रद्द कर दिया। मामला वर्ष 2018 में निकाले गए हरियाणा पुलिस भर्ती विज्ञापन से जुड़ा था। विवाद तब शुरू हुआ जब कुछ अभ्यर्थियों ने दावा किया कि विज्ञापन में केवल पिता की मृत्यु की शर्त का उल्लेख है, इसलिए यदि मां जीवित है तब भी उन्हें अनाथ मानकर पांच अंक दिए जाने चाहिए।

समझौता

एचएयू ने बीजों के उत्पादन व विपणन के लिए किया एमओयू

देशभर के किसानों तक पहुंचेगा उन्नत बाजरा बीज

हरिभूमि न्यूज ▶▶ हिसार

हरियाणा कृषि विश्वविद्यालय द्वारा विकसित उन्नत हाइब्रिड बाजरा किस्में एचएचबी-299 और एचएचबी-67 संशोधित-2 अब देशभर के किसानों तक बड़े पैमाने पर पहुंचेंगी। विश्वविद्यालय ने इन उच्च गुणवत्ता वाली किस्मों के बीज उत्पादन एवं विपणन के लिए आंध्रप्रदेश के कुरनूल स्थित चक्रा सीड्स के साथ महत्वपूर्ण समझौता ज्ञापन (एमओयू) पर हस्ताक्षर किए हैं। इस समझौते से किसानों को समय पर प्रमाणित एवं गुणवत्तायुक्त बीज उपलब्ध होंगे, जिससे बाजरा उत्पादन और किसानों की आय बढ़ाने में मदद मिलेगी। कुलपति प्रो. बीआर काम्बोज की उपस्थिति में हुए समझौते पर विश्वविद्यालय की ओर से अनुसंधान निदेशक डॉ. राजबीर गर्ग व चक्रा सीड्स की ओर से प्रोपराइटर गणेश कुमार रेड्डी ने हस्ताक्षर किए।

एचएचबी-67 संशोधित-2 है सूखा सहनशील

बाजरा अनुभाग के अध्यक्ष डॉ. अनिल कुमार ने बताया कि एचएचबी-67 संशोधित-2 पूर्व विकसित एचएचबी-67 संशोधित का जोगिया रोग प्रतिरोधी उन्नत संस्करण है। इसे वर्ष 2021 में हरियाणा, राजस्थान और गुजरात के बारानी क्षेत्रों के लिए अनुमोदित किया गया था। यह किस्म अतिशीघ्र पकने वाली, सूखा सहनशील, बेहतर दाना एवं चारा गुणवत्ता वाली है तथा अगेती, मध्यम और पछेती बुवाई—तीनों परिस्थितियों के लिए उपयुक्त है। इसके दानों की औसत उपज 20 मन प्रति एकड़ तथा सूखे चारे की औसत उपज 52 मन प्रति एकड़ है। इस अवसर पर ओएसडी डॉ. अतुल ढींगड़ा, कृषि महाविद्यालय के अधिष्ठाता डॉ. रमेश गोयल, डॉ. एसके पाहुजा, डॉ. नीरज कुमार, डॉ. वीरेन्द्र मोर, डॉ. योगेश जिंदल तथा डॉ. देवव्रत यादव सहित विश्वविद्यालय के अनेक वरिष्ठ वैज्ञानिक एवं अधिकारी उपस्थित रहे।

एचएचबी-299 से अधिक पैदावार

मानव संसाधन प्रबंधन निदेशक डॉ. रमेश यादव ने बताया कि एचएचबी-299 एक उच्च उत्पादक एवं जोगिया रोग प्रतिरोधी संकर बाजरा किस्म है। इसकी सबसे बड़ी विशेषता इसमें 73 पीपीएम लौह (आयरन) की उच्च मात्रा है, जिससे यह पोषण की दृष्टि से भी बेहद महत्वपूर्ण है। यह किस्म 80 से 82 दिनों में तैयार हो जाती है तथा बेहतर प्रबंधन के साथ 49 मन प्रति एकड़ तक उत्पादन देने की क्षमता रखती है। इसके सिट्टे शंक्वाकार और मध्यम लंबे होते हैं, जो बेहतर दाना उत्पादन में सहायक हैं।

मिनिमम बैलेंस न रखने पर बैंकों की चांदी, ग्राहकों से वसूले 7,086 करोड़

एजेंसी ▶▶| नई दिल्ली

मिनिमम बैलेंस न रखने वाले ग्राहकों पर जुर्माना लगाकर बैंक हर साल मोटी कमाई कर रहे हैं। संसद में पेश ताजा आंकड़ों के मुताबिक, बीते वित्त वर्ष में बैंकों ने पेनल्टी के नाम पर आम जनता से हजारों करोड़ रुपए वसूल डाले हैं। इस पेनाल्टी वसूली में कई बड़े बैंकों का दबदबा रहा है, जिन्होंने ग्राहकों से भारी भरकम रकम जुटाकर अपने खजाने भरे हैं। मिनिमम एवरेज बैलेंस नहीं रखने पर देश के सरकारी और प्राइवेट बैंकों ने वित्त वर्ष 2025-26 में ग्राहकों से कुल 7,087 करोड़ रुपए वसूले हैं। संसद में सरकार ने इसकी जानकारी दी। आंकड़ों के मुताबिक, सबसे ज्यादा रकम एचडीएफसी बैंक ने वसूली है।

एक्सिस बैंक दूसरे नंबर पर

आरबीआई के आंकड़ों का हवाला देते हुए मंत्री ने बताया कि प्राइवेट बैंकों में एचडीएफसी बैंक ने सबसे ज्यादा 1,798.14 करोड़ रुपए वसूले। इसके बाद एक्सिस बैंक का नंबर रहा, जिसने 1,081.33 करोड़ रुपए जुटाए। सिर्फ इन दोनों बैंकों ने मिलकर 2,879.47 करोड़ रुपए वसूले, जो 19 प्राइवेट बैंकों की कुल वसूली का 58 प्रतिशत है।

इन खातों पर नहीं लगता कोई चार्ज

सरकार ने साफ किया कि बेसिक सेविंग्स बैंक डिपॉजिट अकाउंट पर किसी तरह का पेनल्टी चार्ज नहीं लिया जाता। इसमें प्रधानमंत्री जन-धन योजना के तहत खोले गए खाते भी शामिल हैं। यानी इन खातों के ग्राहकों को मिनिमम बैलेंस नहीं रखने पर कोई शुल्क नहीं देना पड़ता।

ग्राहकों पर जुर्माना लगाकर मोटी कमाई कर रहे बैंक

प्राइवेट बैंकों ने वसूले सबसे ज्यादा पैसे

वित्त राज्य मंत्री पंकज चौधरी ने राज्यसभा में लिखित जवाब में बताया कि वित्त वर्ष 2025-26 में प्राइवेट सेक्टर बैंकों ने करंट अकाउंट और सेविंग्स अकाउंट में मिनिमम एवरेज बैलेंस नहीं रखने पर ग्राहकों से 4,948.71 करोड़ रुपए वसूले। वहीं पब्लिक सेक्टर बैंकों ने इसी वजह से 2,137.92 करोड़ रुपए जुटाए। इस तरह दोनों मिलाकर बैंकों ने 7,086 करोड़ रुपए से ज्यादा की वसूली की।

सरकारी बैंकों की हालत बेहतर सरकार का दावा

एक दूसरे सवाल के जवाब में पंकज चौधरी ने कहा कि पब्लिक सेक्टर बैंकों की वित्तीय स्थिति पहले के मुकाबले काफी मजबूत हुई है। बैंकों की बैलेंस शीट बेहतर हुई है, मुनाफा रिकॉर्ड स्तर पर पहुंचा है और ग्रॉस एनपीए कई दशक के सबसे निचले स्तर पर है। उन्होंने कहा कि अलग-अलग सेक्टर में क्रेडिट ग्रोथ भी लगातार बनी हुई है।

खबर संक्षेप

आईनॉक्स विंड को मिला 1,600 करोड़ रुपए का ठेका

नई दिल्ली। आईनॉक्स विंड लिमिटेड (आईडब्ल्यूएल) को एनएलसी इंडिया लिमिटेड से करीब 1,600 करोड़ रुपये का 200 मेगावाट का ठेका मिला है। इसे ठेका मिलने की तारीख से 24 महीने के भीतर पूरा किया जाएगा। करीब 1,600 करोड़ रुपये के इस ठेके का पूरा काम यानी शुरू से अंत तक कंपनी ही पूरा करेगी।

रुपया 16 पैसे चढ़कर 95.66 प्रति डॉलर पर

मुंबई। रुपया बुधवार को लगातार चौथे कारोबारी सत्र में मजबूत होकर 16 पैसे की बढ़त के साथ 95.66 (अस्थायी) प्रति डॉलर पर बंद हुआ। घरेलू शेयर बाजार में जोरदार लिवाली, विदेशी पूंजी प्रवाह और कच्चे तेल की कीमतों के अनुकूल स्तर पर बने रहने से घरेलू मुद्रा को समर्थन मिला। अमेरिकी मुद्रा में कमजोरी ने भी रुपये को समर्थन दिया।

सूचना

सभी पाठकों से अनुरोध है कि हरिभूमि समाचार-पत्र में प्रकाशित विज्ञापनों (डिस्प्ले/क्लासीफाईड) में दिए गए तथ्यों/दावों के बारे में अपने विवेक से निर्णय लें और विज्ञापन के दावों की विश्वसनीयता को परखें। हरिभूमि समूह के मुद्रक, प्रकाशक या सम्पादक की विज्ञापनों के तथ्यों से सम्बन्धित कोई जिम्मेवारी नहीं होगी।

राज्यों के कर राजस्व और कर उछाल में उल्लेखनीय वृद्धि हुई

जीएसटी लागू होने के बाद राज्यों के कर राजस्व में मजबूत वृद्धि : इंडिया रेटिंग्स

एजेंसी ▶▶| नई दिल्ली

माल एवं सेवा कर (जीएसटी) लागू होने के बाद राज्यों के कर राजस्व और कर उछाल में उल्लेखनीय वृद्धि हुई है। उच्च घरेलू खपत और बड़े सेवा क्षेत्र की मौजूदगी के कारण महाराष्ट्र को जीएसटी लागू होने के बाद राज्यों के कर राजस्व में सबसे बड़ा हिस्सा मिला है।

इंडिया रेटिंग्स एंड रिसर्च ने बुधवार को एक रिपोर्ट में यह कहा।एक जुलाई, 2017 से लागू जीएसटी ने 17 तरह के कर और 13 उपकरों (सेस) को एकीकृत कर केंद्र और राज्यों की अलग-अलग कर दरों तथा कर संरचना को सरल बनाया है।

रिपोर्ट के अनुसार, जीएसटी लागू होने के बाद से माल एवं सेवा कर (एसजीएसटी) ने राज्यों के कर राजस्व और कर उछाल में उल्लेखनीय वृद्धि की है। कर उछाल से आशय अर्थव्यवस्था में वृद्धि के मुकाबले कर संग्रह क्षमता में तेज वृद्धि से है।

- महाराष्ट्र को कर राजस्व का सबसे बड़ा हिस्सा मिला
- एक जुलाई 2017 से लागू जीएसटी में 17 तरह के कर व 13 सेस एक किए
- अर्थव्यवस्था में वृद्धि के मुकाबले कर संग्रह क्षमता में तेज वृद्धि से है

अध्ययन में 26 राज्य शामिल

इंडिया रेटिंग्स की अर्थशास्त्री एवं निदेशक मेघा अरोड़ा ने कहा कि अध्ययन में शामिल 26 राज्यों का कर उछाल जीएसटी लागू होने के बाद वित्त वर्ष 2017-18 से 2025-26 के दौरान बढ़कर 2.9 हो गया, जबकि वित्त वर्ष 2013-14 से 2016-17 के दौरान यह केवल 0.6 था।

करदाताओं की संख्या बढ़कर 1.65 करोड़

रिपोर्ट में कहा गया कि राज्य जीएसटी में उल्लेखनीय वृद्धि का कारण कर प्रणाली का सरलीकरण, प्रौद्योगिकी और आंकड़ा विश्लेषण का बेहतर उपयोग, कर अनुपालन में सुधार तथा करदाताओं की संख्या 2017 के 67 लाख से बढ़कर मई, 2026 में 1.65 करोड़ होना है। यह भारतीय अर्थव्यवस्था के संगठित होने की प्रक्रिया को भी दर्शाता है।

राज्यों का संग्रह नौ प्रतिशत से बढ़ा : वहीं, जीएसटी लागू होने के बाद वित्त वर्ष 2017-18 से 2025-26 के दौरान राज्यों का एसजीएसटी संग्रह नौ प्रतिशत बढ़कर 12.9 लाख करोड़ रुपये पर पहुंच गया।

उपभोग आधारित कर व्यवस्था लागू

इंडिया रेटिंग्स ने कहा कि इसका प्रमुख कारण उत्पादन आधारित कर प्रणाली के स्थान पर उपभोग आधारित कर व्यवस्था का लागू होना, सेवा क्षेत्र को कर दायरे में शामिल करना तथा कर चोरी पर प्रभावी रोक लगना है। रिपोर्ट के अनुसार, वित्त वर्ष 2012-13 से 2016-1717 के दौरान राज्यों का कर राजस्व 6.8 प्रतिशत बढ़कर 3.7 लाख करोड़ रुपये रहा था, जबकि सकल राज्य घरेलू उत्पाद (जीएसडीपी) में 11.6 प्रतिशत की वृद्धि दर्ज की गई थी।

राज्यों के कर राजस्व संरचना में बदलाव आया

रिपोर्ट में कहा गया कि अधिक कर संग्रह अर्थव्यवस्था में खपत बढ़ने, कर व्यवस्था की बेहतर निगरानी और करदाताओं के अनुपालन में सुधार का संकेत है। इसमें कहा गया है कि जीएसटी लागू होने से पहले और बाद में राज्यों के कर राजस्व की संरचना में बदलाव आया। हालांकि, महाराष्ट्र और कर्नाटक दोनों अवधियों में क्रमशः पहले और दूसरे स्थान पर बने रहे।

महाराष्ट्र की हिस्सेदारी बढ़कर 20.4 प्रतिशत

महाराष्ट्र की हिस्सेदारी वित्त वर्ष 2013-17 के 17.6 प्रतिशत से बढ़कर वित्त वर्ष 2018-26 में 20.4 प्रतिशत हो गई। इसका प्रमुख कारण राज्य में उच्च घरेलू खपत और मजबूत सेवा क्षेत्र है।

बीएचईएल को डांगोटे समूह से मिला ठेका

नई दिल्ली। सार्वजनिक क्षेत्र की इंजीनियरिंग कंपनी भारत हेवी इलेक्ट्रिकल्स लिमिटेड (बीएचईएल) को नाइजीरिया की डांगोटे पेट्रोलियम रिफाइनरी एंड पेट्रोकेमिकल्स फ्री जोन एंटरप्राइज से आठ गैस टर्बाइन जनरेटर पैकेज की आपूर्ति, उनकी स्थापना और चालू करने के कार्य की निगरानी का ठेका मिला है। कंपनी ने बयान में कहा कि कड़ी अंतरराष्ट्रीय प्रतिस्पर्धा के बीच मिला यह ठेका डांगोटे समूह की कंपनी डांगोटे पेट्रोलियम रिफाइनरी एंड पेट्रोकेमिकल्स फ्री जोन एंटरप्राइज ने दिया है। डांगोटे समूह अफ्रीका के सबसे बड़े और विविध कारोबार वाले समूहों में से एक है। इसकी मौजूदगी तेल शोधन, पेट्रोरसायन, उर्वरक, सीमेंट, चीनी, पैकेजिंग और अन्य क्षेत्रों में है।

सेवा क्षेत्र के 16 उप-क्षेत्रों में मई में वृद्धि

नई दिल्ली। सरकार ने बुधवार को सेवा उत्पादन सूचकांक का दूसरा उप-क्षेत्रीय परीक्षण सूचकांक जारी किया। इसके तहत इस साल मई में संगठित सेवा क्षेत्र के 19 उप-क्षेत्रों में से आठ उप-क्षेत्रों में दहाई अंक में वृद्धि रही। इसमें आवास एवं खाद्य सेवा सेवा क्षेत्र का प्रदर्शन सबसे बेहतर रहा। सांख्यिकी एवं कार्यक्रम कार्यान्वयन मंत्रालय ने आधार वर्ष 2024-25 के साथ 19 उप-क्षेत्रों को सेवा उत्पादन सूचकांक जारी किया है। सभी सेवा श्रेणियों में मई, 2026 में सालाना आधार पर सकारात्मक वृद्धि दर्ज की गई। कुल 19 उपक्षेत्रों में से 16 में सकारात्मक वृद्धि दर्ज की गयी। सूचकांक के मुताबिक, मई, 2026 में सबसे अच्छा प्रदर्शन करने वाले सेवा उप-क्षेत्रों में आवास एवं खाद्य सेवाएं शीर्ष पर रहीं, जिनमें 27.4 प्रतिशत की वृद्धि दर्ज की गई। इसके बाद रियल एस्टेट में 17.7 प्रतिशत, खुदरा व्यापार में 13.3 प्रतिशत, बैंकिंग में 12.1 प्रतिशत और दूरसंचार क्षेत्र में 11.8 प्रतिशत की बढ़ोतरी हुई।

सोना स्थिर, चांदी में 500 रुपये का सुधार

एजेंसी ▶▶| नई दिल्ली

- सोना 1.47 लाख रुपये प्रति दस ग्राम पर स्थिर
- सोना चांदी मजबूत होकर 2.25 लाख रुपये प्रति किलो

राष्ट्रीय राजधानी के सराफा बाजार में बुधवार को सोने की कीमतें 1.47 लाख रुपये प्रति 10 ग्राम पर स्थिर रहीं, जबकि अंतरराष्ट्रीय बाजारों में मजबूती के रुख के बीच चांदी में 500 रुपये का मामूली सुधार हुआ और यह बढ़कर 2.25 लाख रुपये प्रति किलोग्राम पर पहुंच गई। अखिल भारतीय सराफा संघ के अनुसार, 99.9 प्रतिशत शुद्धता वाले सोने की कीमत 1,47,000 रुपये प्रति 10 ग्राम पर स्थिर रही। चांदी मंगलवार के 2,24,800 रुपये के बंद स्तर से 500 रुपये बढ़कर 2,25,300 रुपये प्रति किलोग्राम (सभी कर सहित) हो गई। कारोबारियों ने कहा कि सोना एक सीमित दायरे में रहा, जबकि पिछले सत्र में तेज गिरावट के बाद चांदी में थोड़ा सुधार हुआ। बुधवार को घरेलू और अंतरराष्ट्रीय दोनों बाजारों में सोने का कारोबार सपाट रहा। एचडीएफसी सिक्योरिटीज में वरिष्ठ विश्लेषक (जिंस) सौमिल गांधी ने कहा कि भारतीय रुपये के मजबूत होने से घरेलू कीमती धातुओं की कीमतों पर दबाव पड़ा।

राशिफल

मेष रहन-सहन अव्यवस्थित रहेगा। खर्चों में वृद्धि होगी। आत्मविश्वास में कमी रहेगी। जीवनसाथी के स्वास्थ्य का ध्यान रखें। पिता का साथ मिलेगा।

वृष परिवार के साथ किसी धार्मिक स्थान की यात्रा का कार्यक्रम बन सकता है। मानसिक शान्ति रहेगी,परन्तु बातचीत में संयत रहें। लाभ के अवसर मिलेंगे।

मिथुन तरक्की के मार्ग प्रशस्त होंगे। मान-सम्मान की प्राप्ति होगी।सेहत का ध्यान रखें। धर्म-कर्म में रुचि बढ़ेगी। कार्यक्षेत्र में कुछ समस्याएं परेशान कर सकती हैं।

कर्क आत्मविश्वास में वृद्धि होगी। नौकरी में तरक्की के अवसर मिलेंगे। शासन-सत्ता का सहयोग मिलेगा। पारिवारिक जीवन सुखमय रहेगा।

सिंह कारोबार में लाभ के अवसर मिलेंगे। यात्रा खर्च बढ़ सकते हैं। किसी धार्मिक स्थान की यात्रा का कार्यक्रम बन सकता है। रहन-सहन कष्टमय रहेगा।

कन्या परिवार की जिम्मेदारी बढ़ सकती हैं। शैक्षिक कार्यों में सफल रहेंगे। बौद्धिक कार्यों से आय में वृद्धि हो सकती है। क्रोध के अतिरेक से बचें।

तुला धैर्यशीलता में कमी आ सकती है। वाहन के रखरखाव पर खर्च बढ़ेंगे। स्वास्थ्य के प्रति सतर्क रहें। चिकित्सीय खर्च बढ़ सकते हैं।

वृश्चिक भाग-दौड़ अधिक रहेगी। कार्यक्षेत्र में परिश्रम अधिक रहेगा। बातचीत में सन्तुलन बनाये रखने का प्रयास करें। वस्त्र उपहार में प्राप्त हो सकते हैं।

धनु कार्यक्षेत्र में तरक्की के योग हैं। जीवनसाथी के स्वास्थ्य का ध्यान रखें। शैक्षिक या बौद्धिक कार्यों में सम्मान की प्राप्ति हो सकती है।

मकर व्यर्थ के क्रोध एवं वाद-विवाद से बचें। लेखनादि-बौद्धिक कार्यों में व्यस्तता बढ़ेगी। सन्तान की ओर से सुखद समाचार मिल सकता है।

कुंभ तरक्की के अवसर मिल सकते हैं। आय में वृद्धि होगी। पठन-पाठन में रुचि रहेगी। लेखनादि-बौद्धिक कार्यों से आय में वृद्धि के स्रोत विकसित होंगे।

मीन दाम्पत्य सुख में वृद्धि होगी। पारिवारिक जीवन सुखमय रहेगा। कारोबार में वृद्धि होगी। परिश्रम अधिक रहेगा। लाभ के अवसर बढ़ेंगे। वाणी में मधुरता रहेगी।

एलआईसी ऑफ इंडिया ने भारत सरकार को लाभांश चेक सौंपा

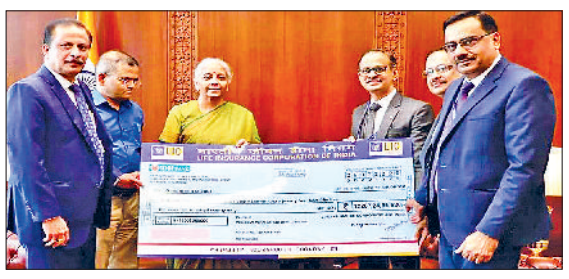

नई दिल्ली। एलआईसी ऑफ इंडिया के सीईओ एवं एमडी आर. दोराईस्वामी ने आज केंद्रीय वित्त और कॉर्पोरेट मामलों की मंत्री निर्मला सीतारमण को लाभांश के भारत सरकार के हिस्से का रुपये 12,207.25 करोड़ का चेक सौंपा। जिसे 27 जुलाई, 2026 को हुई वार्षिक सामान्य बैठक में शेयरधारकों द्वारा अनुमोदित किया गया था। इस अवसर पर भारत सरकार के वित्त मंत्रालय के वित्तीय सेवा विभाग के सचिव संजय लोहिया के साथ-साथ भारतीय जीवन बीमा निगम के अधिकारी, रत्नाकर पटनायक, एमडी, आर. चंदर, एमडी, उत्तरी जोन के जैडएम (आई/सी) एन.एस. राघव भी मौजूद रहे।

बुर्ज खलीफा देखने के लिए अब यूपीआई से कर सकेंगे बुकिंग

नई दिल्ली (एजेंसी)। एनपीसीआई इंटरनेशनल पेमेंट्स लिमिटेड (एनआईपीएल) ने बुधवार को कहा कि दुबई की मशहूर इमारत बुर्ज खलीफा के लोकप्रिय पर्यटन स्थल 'ऐट द टॉप' की ऑनलाइन बुकिंग के लिए अब यूपीआई से भुगतान शुरू हो गया है। दुनिया की सबसे ऊंची इमारत बुर्ज खलीफा की ऊपरी मंजिलों पर स्थित 'ऐट द टॉप' वह जगह है जहां से पर्यटक पूरे शहर का नजारा ऊपर से देखते हैं। हर साल यहां भारत सहित दुनियाभर से बड़ी संख्या में पर्यटक पहुंचते हैं। भारतीय राष्ट्रीय भुगतान निगम (एनपीसीआई) की अंतरराष्ट्रीय इकाई एनआईपीएल ने बयान में कहा कि यह पहल नियोपे और एमार एंटरटेनमेंट के सहयोग से शुरू की गई है। एनआईपीएल ने कहा कि इस सुविधा के जरिये भारतीय पर्यटक अब 'बुर्ज खलीफा' में उपलब्ध अनुभवों की बुकिंग उसकी आधिकारिक वेबसाइट के माध्यम से कर सकेंगे और भुगतान यूपीआई से कर पाएंगे।

हरियाणा सरकार — निविदा सूचना

क्र. सं.	बोर्ड/निगम/प्राधि. का नाम	कार्य सूचना निविदा का नाम	खुलने की तिथि बंद होने की तिथि (समय)	राशि/ईएमडी (लगभग) रु.में	बोर्ड/निगम/प्राधि. की वेबसाइट	नोडल अधिकारी / सम्पर्क विवरण/ ई-मेल
1	हरियाणा चिकित्सा सेवाएं निगम लिमिटेड, पंचकूला	ग्रुप-सी के लिए दो वर्ष की अवधि हेतु हरियाणा सरकार के विभिन्न हस्पतालों को एचआईवी और सिफिलिस के लिए ड्यूअल किट की आपूर्ति हेतु दर अनुबंध के लिए ऑनलाइन निविदा।	28.07.2026 18.08.2026	1,88,04,000/-	www.hmscl.org.in	0172-478822 hmsctenders@gmail.com

अधिक जानकारी हेतु कृपया पधारें : www.haryanaeprocurement.gov.in or www.etenders.hry.nic.in
संवाद-13/2027/40/47630/I/88/6 दि. 29.07.26

हरियाणा सरकार — निविदा सूचना

क्र. सं.	बोर्ड/निगम/प्राधि. का नाम	कार्य सूचना निविदा का नाम	खुलने की तिथि बंद होने की तिथि (समय)	राशि/ईएमडी (लगभग) रु.में	बोर्ड/निगम/प्राधि. की वेबसाइट	नोडल अधिकारी / सम्पर्क विवरण/ ई-मेल
1	हरियाणा चिकित्सा सेवाएं निगम लिमिटेड पंचकूला	ग्रुप-ए के लिए दो वर्ष की अवधि हेतु हरियाणा सरकार के विभिन्न हस्पतालों को रेबीज वेक्सीन सिंगल डोज 2.5 आईयू, आईएम रूट की आपूर्ति हेतु दर अनुबंध के लिए ऑनलाइन निविदा	28.07.2026 18.08.2026	8,88,14,985/-	www.hmscl.org.in	0172-478822 hmsctenders@gmail.com

अधिक जानकारी हेतु कृपया पधारें : www.haryanaeprocurement.gov.in or www.etenders.hry.nic.in
संवाद-13/2027/40/47643/I/88/6 दि. 29.07.26

शब्द पहेली - 6302

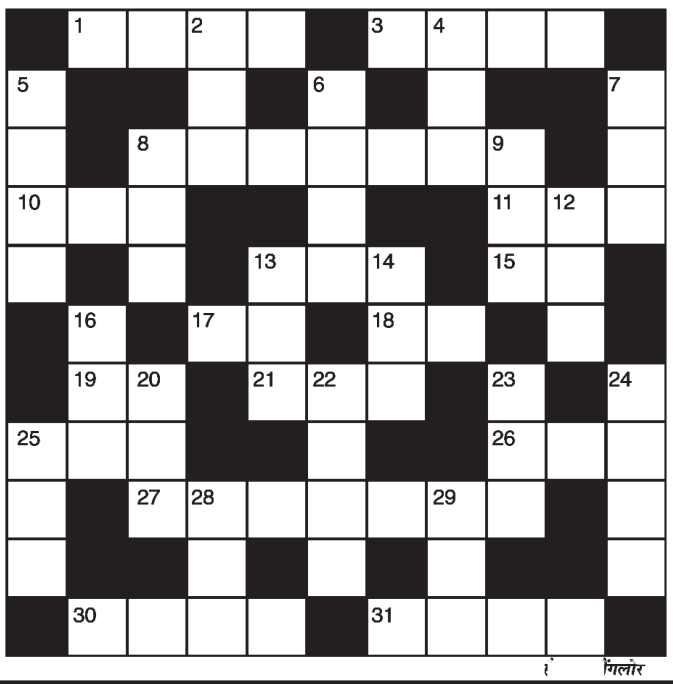

बाएँ से दाए

1. मरघट, कब्रिस्तान-4
3. पागल, बुद्धिहीन-4
8. भगवान, ईश्वर, खुदा-7
10. डांटना, दुत्कार-3
11. तरुण, किशोर-3
13. ओट, घूँघट-3
15. तपस्या-2
17. पराया, अजनबी-2
18. आनंद, मौज-2
19. सूर्य, भास्कर-2
21. चिंतन, सोच विचार-3
25. वेणी, फूलों की माला जो बालों में लगाते हैं-3
26. वैद्य-3
27. आभास करना-4,3
30. शिव के इस मंदिर को महमूद गजनवी ने कई बार लूटा था-2,2
31. युद्धघोष, आक्रमण, हमला-4

ऊपर से नीचे

2. कवि, गजलकार-3
4. भारत का झंडा-3
5. ईश्वर, भगवान-4
6. गुरुवार-4
7. दुर्ज, पापी, भूत-3
8. शरण, आश्रय-3
9. चांदी-3
12. उत्तराधिकारी-3
13. उत्कृष्ट, प्रधान-3
14. आंचल-3
16. कमल-3
20. रुकना, अंत, ठहराव-3
22. उत्तमता, खूबी (उर्दू-4)
23. बर्दाश्त करना, निभाना-3
24. आय, कमाई-4
25. उष्ण-3
28. पराजित करना-3
29. उपपत्नी, दूसरी पत्नी-3

शब्द पहेली- 6301 का हल

रा	ऊ	ल	के	ला			क	स	क
ह	जा		श		श	त्र	ता		न्या य
गु			ही	र	क		र		म
ज	ला	व	न			गं		अ	नु ज
र		च		बे	ल	गा	म		की
	शा	न		क		ज		ब	ला
	य		श	रा	र	ल		न्द	त
म	द	द		र			अ	र	मा न
श			स		शा	य	र		ब
क	म		न	र	म		मा		मा द
	जा	न	म			म	न	मो	ह न

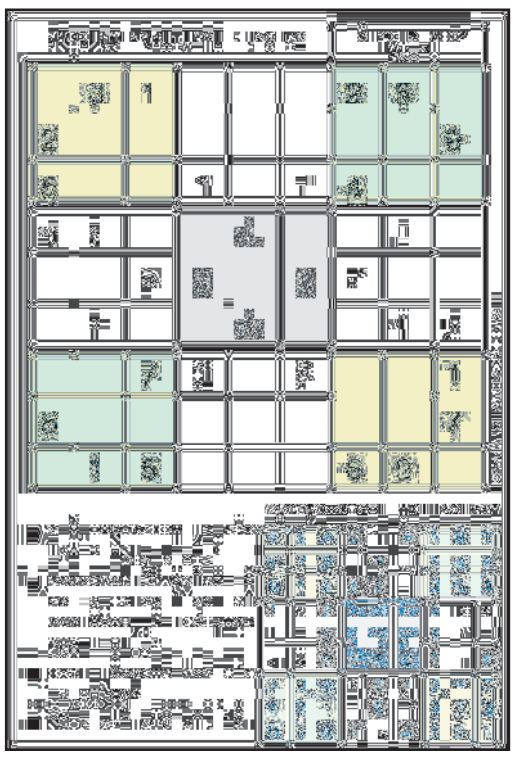

मानसून सत्रः जंतर मंतर पर प्रदर्शन के दौरान पुलिस की कार्रवाई पर हंगामा

'गृह मंत्री शाह ने छात्रों पर गोली चलवाई' वाले राहुल के बयान पर संसद में बवाल

हरिभूमि ब्यूरो ▶▶ नई दिल्ली

लोकसभा में कॉक्रोच जनता पार्टी और उसके आंदोलन की गूंज बुधवार को सदन में जमकर हंगामा हुआ। आंदोलनकारियों पर कथित बल प्रयोग को लेकर विपक्ष और सरकार आमने सामने आ गए। अपने भाषण में राहुल गांधी ने सदन में आरोप लगाया कि जंतर-मंतर पर छात्रों के शांतिपूर्ण प्रदर्शन के दौरान हुआ बल प्रयोग और गोली बारी की कार्रवाई गृह मंत्री के आदेश पर हुई। उनके आरोपों पर केंद्रीय मंत्री जितेंद्र सिंह ने सदन में जानकारी दी कि घटना में गोली चलाई ही नहीं गई, केवल आंसू गैस का इस्तेमाल हुआ। राहुल के भारतीय कानूनों के अधूरे ज्ञान के बारे में भी तंज कसते हुए, जितेंद्र सिंह ने आगे कहा कि नेता प्रतिपक्ष को यह पता होना चाहिए कि गोली चलाने का आदेश मंत्री नहीं, मजिस्ट्रेट देता है।

लोकसभा में राहुल गांधी और किरेन रिजिजू में आरोप-प्रत्यारोप

प्रश्नपत्र लीकः दोषियों के लिए सख्त सजा का प्रावधान : शाह

केंद्रीय गृह मंत्री अमित शाह ने कहा कि लोकसभा में पारित 'लोक परीक्षा (अनुचित साधन निवारण) संशोधन विधेयक, 2026' युवाओं के सपनों और आकांक्षाओं की रक्षा करता है, क्योंकि इसमें सार्वजनिक परीक्षाओं की शुचिता भंग करने वालों को कठोर सजा देने के लिए बेहद सख्त प्रावधान किए गए हैं। शाह ने 'एक्स' पर एक पोस्ट में विधेयक, 2026' के पारित होने पर छात्र को बधाई।"

एक टीटीई 5 एसी या 3 स्लीपर कोच करेंगे चेक

रेल मंत्री अश्विनी वैष्णव ने लोकसभा में बताया कि भारतीय रेलवे में कर्मियों का बेहतर इस्तेमाल करने के लिए नए दिशानिर्देश लागू किए गए हैं। ट्रैवलिंग टिकट परीक्षक (टीटीई) को अधिकतम 5 एसी डिब्बों या 3 चेयर कार/स्लीपर डिब्बों में टिकट जांच की जिम्मेदारी दी जाती है। नांदेड़ से कांग्रेस सांसद रवींद्र वसंतराव चव्हाण द्वारा टीटीई पर बढ़ते काम के बोझ से जुड़े सवाल का जवाब देते हुए रेल मंत्री ने स्पष्ट किया कि ट्रेन में तैनात टीटीई की संख्या डिब्बों के प्रकार पर निर्भर करती है। इससे यात्रियों की बेहतर मदद संभव होती है।

अहमदाबाद विमान हादसे पर केंद्र ने दी जानकारी

बोइंग के फ्यूल कंट्रोल स्विच में खराबी नहीं जांच अभी भी जारी

केंद्र ने कहा कि एअर इंडिया के बोइंग 787 ड्रीमलाइनर के फ्यूल कंट्रोल स्विच लॉकिंग मैकेनिज्म में कोई खराबी नहीं मिली। यह विमान पिछले साल 12 जून को अहमदाबाद से उड़ान भरने के कुछ ही देर बाद हादसे का शिकार हो गया था, जिसमें कुल 260 लोगों की मौत हो गई थी। नागरिक उड्डयन राज्य मंत्री मुरलीधर मोहोल ने रास को बताया कि डायरेक्टरेट जनरल ऑफ सिविल एविएशन के आदेश पर लगातार एयरवर्दीनेस जांच के तहत सिएटल में ओरिजिनल इक्विपमेंट मैन्युफैक्चरर स्तर पर फ्यूल कंट्रोल स्विच की जांच की गई थी।

मप्र सरकार 60 फीसदी मूंग खरीदेगी, खाद की ई-टोकन व्यवस्था रोकी, 10 अगस्त तक स्लॉट बुकिंग

हरिभूमि न्यूज ▶▶ भोपाल

मध्य प्रदेश के कृषि मंत्री एदल सिंह कंषाना ने घोषणा की कि सरकार 60% तक मूंग खरीदेगी। नर्मदापुरम, सीहोर और हरदा जैसे जिलों में करीब 3 क्विंटल प्रति एकड़ मूंग खरीदी जाएगी। साथ ही स्लॉट बुकिंग की अवधि 10 अगस्त तक बढ़ा दी गई है, जबकि मूंग खरीदी की अंतिम तारीख 20 अगस्त कर दी गई है। साथ ही खाद वितरण में लागू ई-टोकन व्यवस्था भी फिलहाल स्थगित कर दी गई है। सरकार और किसान प्रतिनिधियों के बीच मंत्रालय में हुई बैठक के बाद आंदोलन समाप्त हो गया। एडिशनल सीपी शैलेंद्र सिंह चौहान ने बताया कि किसानों ने सहमति

मप्र में तीन दिन बाद आंदोलन अब खत्म, घर लौटे किसान

सरकार-किसान प्रतिनिधियों में सहमति

सरकार और किसान प्रतिनिधियों के बीच सहमति बनने के बाद किसान अपने-अपने घरों के लिए रवाना हो गए। प्रशासन ने बसों के जरिए किसानों को उनके वाहनों तक पहुंचाया। देर रात तक आंदोलन पूरी तरह समाप्त हो गया।

जता दी है। प्रशासन ने रोशनपुरा चौराहे से किसानों को बसों के जरिए उनकी गाड़ियों तक पहुंचाकर रवाना किया। बाद में रोशनपुरा चौराहा लगभग खाली हो गया।

यूं चला प्रदर्शन

कुछ युवा किसानों ने सरकार के फैसले पर असहमति जताई। उनका कहना है कि 3 क्विंटल प्रति एकड़ खरीदी से किसानों को राहत नहीं मिलेगी। सरकार को कम से कम 5 क्विंटल प्रति एकड़ मूंग खरीदनी चाहिए। प्रदर्शन के दौरान किसान चार लेयर बैरिकेडिंग तोड़ते हुए आगे बढ़े। उन्होंने केंद्रीय कृषि मंत्री शिवराज सिंह चौहान के आवास का घेराव किया, फिर मुख्यमंत्री निवास की ओर कूच किया। एमपी नगर में पुलिस और किसानों के बीच धक्का-मुक्की हुई।

चंडीगढ़ में सांसद अमृतपाल समर्थकों का जोरदार प्रदर्शन

चंडीगढ़। अकाली दल (वारिस पंजाब दे) के वर्करों द्वारा बुधवार को बंदी सांसद अमृतपाल की रिहाई की मांग को लेकर चंडीगढ़ में पंजाब के सीएम भगवंत मान की सरकारी रिहायश का घेराव किया जा रहा है। पुलिस द्वारा पार्टी के समर्थकों को चंडीगढ़ में घुसने से रोकने के लिए सख्त प्रबंध करते हुए बैरिकेडिंग की गई थी। वहीं इस दौरान मोहाली-चंडीगढ़ बॉर्डर पर माहौल गरमा गया और पार्टी वर्कर चंडीगढ़ पुलिस से भिड़ गए हैं। मौके पर मौजूद प्रदर्शनकारियों ने बैरिकेड फेंक दिए। यहां उन्हें रोकने के लिए वाटर कैनन का भी इस्तेमाल किया गया जिसका प्रदर्शनकारियों ने मुंह मोड़ दिया।

पंजाब में बेडरूम के नीचे शराब का टैंक मिला

8 फीट नीचे मिली 1000 लीटर की टंकी, टुल्लू पंप से होती थी सप्लाई

कपूरथला में अवैध शराब के बड़े नेटवर्क का भंडाफोड़

एजेंसी ▶▶ कपूरथला(पंजाब)

पंजाब के कपूरथला में आबकारी विभाग और पुलिस ने अवैध शराब नेटवर्क का भंडाफोड़ किया है। एक मकान के बेडरूम के फर्श के नीचे करीब 8 फीट पर 1000 लीटर क्षमता की टंकी मिली। इसमें स्पिरिट से तैयार अवैध शराब मिली। टुल्लू पंप और पाइपलाइन सिस्टम लगाया शराब की सप्लाई की जाती थी पुलिस ने खुदवाई करवाकर टंकी को निकाला। मौके से 270 लीटर अवैध शराब और शराब बनाने में इस्तेमाल होने वाले उपकरण भी बरामद किए गए। पुलिस की रेड करीब 18 घंटे तक चली। एक आरोपी को पुलिस ने गिरफ्तार कर लिया है। दूसरा आरोपी फरार है।

छापेमारी में शराब और उपकरण किया जब्त

गांव नवां पिंड भट्ठे में एक मकान से अवैध शराब का कारोबार की सूचना पर आबकारी विभाग और स्थानीय पुलिस की संयुक्त टीम ने मकान पर दबिश दी। घर की तलाशी के दौरान कुछ संदिग्ध नहीं मिला, लेकिन बेडरूम के फर्श पर शक होने पर कंक्रीट तोड़ना शुरू किया। करीब 8 फीट नीचे खुदाई करने पर बड़ी अंडरग्राउंड टंकी मिली, जिसे बेहद शातिर तरीके से छिपाया गया था। टीम ने 270 लीटर अवैध शराब, टुल्लू पंप, पाइपलाइन सिस्टम और शराब बनाने में इस्तेमाल होने वाले अन्य उपकरण बरामद किए।

तहसीलदार बता फोन पर 20 को बनाया शिकार

तमिलनाडु में मुंडन कराओ सरकार से 15000 पाओ...

सलेम (तमिलनाडु)। तमिलनाडु के सलेम में सोशल मीडिया से प्रेरित हैरान करने वाला प्रैंक महिलाओं के लिए मुसीबत बन गया। खुद को तहसीलदार बताने वाले ने फर्जी सरकारी योजना का झांसा देकर दावा किया कि खतरनाक बीमारी से बचने के लिए सिर मुंडवाने पर महिलाओं को 15 हजार मिलेंगे। उसकी बातों पर भरोसा कर तीन बुजुर्ग महिलाओं ने मुंडन करा लिया, जबकि कई अन्य भी तैयार थीं। तीन बुजुर्ग महिलाओं ने सरकारी इनाम मिलने की उम्मीद में सिर तक मुंडवा लिया। जब वादा किया गया पैसा नहीं मिला, तब जाकर उन्हें एहसास हुआ कि उनके साथ बड़ा धोखा हो चुका है।

अजब-गजब

मुंडन की तस्वीरें भेजीं

पुलिस के मुताबिक, 39 वर्षीय आरोपी ने अट्टूर तालुक की एक महिला को फोन कर खुद को सरकारी अधिकारी बताया। खतरनाक बीमारी से बचाने के लिए सरकार ने अभियान शुरू किया है, जिसके तहत सिर मुंडवाने वालों को आर्थिक सहायता दी जाएगी। भरोसा दिलाने के लिए आरोपी ने व्हाट्सऐप पर कुछ महिलाओं के मुंडन की तस्वीरें और 500 के नोटों की तस्वीरें भी भेजीं।

केरल में चोर मौत के बाद भी नहीं छोड़ रहे पीछा

कब्र से भारी-भरकम ग्रेनाइट स्लैब उखाड़ ले गए चोर

लगातार दो दिनों में दो कब्रों से ग्रेनाइट की स्लैब चोरी

पथनमथिट्टा (एजेंसी)। केरल के पथनमथिट्टा जिले के मल्लपल्ली स्थित गिरजाघरों के कब्रिस्तान में चोरी की ऐसी घटना सामने आई है जिसने लोगों को हैरानी में डाल दिया। कब्रिस्तान में लगातार दो दिनों में दो कब्रों पर लगी ग्रेनाइट की स्लैब चोरी हो गई। कब्रें खुली पड़ी हैं और लोग यह समझने की कोशिश कर रहे हैं कि ये किसने किया और आखिरकार कोई मृतकों के अंतिम विश्राम स्थल को क्यों निशाना बनाएगा? इन घटनाओं ने मल्लपल्ली के लोगों को सदमे में डाल दिया है। यहां कब्रिस्तान केवल दफनाने की जगह नहीं, बल्कि यादों, आस्था और पारिवारिक इतिहास के प्रतीक माने जाते हैं। मल्लपल्ली के 'मार थोमा चर्च' के कब्रिस्तान में सामने आई, जहां थाइकोट्टाथिल परिवार के सदस्य की कब्र पर लगी ग्रेनाइट की स्लैब गायब मिली। गिरजाघर के प्रबंधन ने पुलिस में शिकायत दर्ज कराई है। इससे 24 घंटे पहले मंकुझीपाडी स्थित 'मार थोमा चर्च' के कब्रिस्तान में भी थन्निक्कल परिवार से जुड़ी कब्र पर लगी बड़ी ग्रेनाइट स्लैब भी चोरी हो गई थी। पुलिस ने केस दर्ज कर जांच शुरू कर दी।

अलग-खबर

चिंतन

संसद की गरिमा और मर्यादा सर्वोपरि

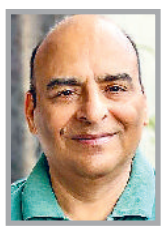

मुद्दा
पंकज चतुर्वेदी

पेपर लीक जैसे गंभीर मुद्दे पर संसद से देश को ठोस समाधान और सार्थक बहस की अपेक्षा होती है। विपक्ष को सरकार से कठिन सवाल पूछने का पूरा अधिकार है और सरकार को उनके जवाब देने की जिम्मेदारी है, लेकिन जब बहस का केंद्र असंसदीय शब्दों और आरोप-प्रत्यारोप पर आ जाता है, तो मूल मुद्दा पीछे छूट जाता है। संसद में विचारों का संघर्ष लोकतंत्र की पहचान है, लेकिन शब्दों का संयम उसकी गरिमा और मर्यादा ही सदन की नींव है। बुधवार को लोकसभा में पेपर लीक से जुड़े संशोधन विधेयक पर हुई बहस इसी सवाल को फिर से सामने ले आई। बहस के दौरान नेता प्रतिपक्ष राहुल गांधी ने लगभग 50 मिनट तक अपनी बात रखी। उन्होंने छात्रों के आंदोलन का समर्थन किया और सरकार पर गंभीर आरोप लगाए। अपने भाषण में 'इडियट' और 'अंधभक्त' जैसे शब्दों का इस्तेमाल किया, जिस पर सत्ता पक्ष ने कड़ी आपत्ति जताई। इसके बाद सदन में हंगामा शुरू हो गया। संसदीय कार्य मंत्री किरेन रिजिजू ने कई बार हस्तक्षेप करते हुए इसे संसदीय मर्यादा के विपरीत बताया और माफी की मांग की। लोकसभा अध्यक्ष ओम बिरला ने भी हस्तक्षेप करते हुए आपत्तिजनक माने गए शब्दों को कार्यवाही से हटाने का निर्देश दिया। अध्यक्ष द्वारा आपत्तिजनक माने गए शब्दों को कार्यवाही से हटाना संसदीय परंपरा का हिस्सा है। अंततः लोकतंत्र की मजबूती इस बात में है कि मतभेद कितने भी गहरे हों, संवाद शालीन, तथ्यपरक और मर्यादित बना रहे। बहस के दौरान गृह मंत्री पर छात्रों पर फायरिंग के आदेश देने का आरोप भी लगाया गया, जिसे सरकार ने सिरे से खारिज किया। ऐसे गंभीर आरोपों की जांच और सत्यापन तथ्यों तथा कानून के आधार पर होनी चाहिए। संसद में बोले गए शब्द केवल तत्कालीन बहस तक सीमित नहीं रहते, बल्कि वे देश की लोकतांत्रिक संस्कृति का हिस्सा बन जाते हैं। यह भी ध्यान रखने योग्य है कि किसी शब्द की स्थायी 'प्रतिबंधित सूची' नहीं होती। किसी टिप्पणी को असंसदीय माना जाएगा या नहीं, इसका निर्णय उसके संदर्भ, प्रभाव और सदन की गरिमा के आधार पर अध्यक्ष या सभापति करते हैं। यही कारण है कि समय-समय पर विभिन्न शब्द कार्यवाही से हटाए जाते रहे हैं। यह प्रक्रिया किसी व्यक्ति विशेष के खिलाफ नहीं, बल्कि संसद की संस्थागत गरिमा को बनाए रखने के लिए होती है। आज देश के करोड़ों युवा संसद की ओर उम्मीद भरी निगाहों से देखते हैं। वे चाहते हैं कि उनके भविष्य से जुड़े मुद्दों पर गंभीर बहस हो, ठोस नीतियां बनें और समाधान निकले। यदि चर्चा का केंद्र असंसदीय शब्द, नारे और राजनीतिक टकराव बन जाए, तो सबसे अधिक निराशा उन्हीं युवाओं को होती है, जिनके हितों की रक्षा के लिए संसद अस्तित्व में है। लोकतंत्र की शक्ति सत्ता और विपक्ष, दोनों की जिम्मेदारी से बढ़ती है। विपक्ष का दायित्व है कि वह सरकार से कठिन और असहज प्रश्न पूछे, जबकि सरकार का दायित्व है कि वह तथ्यों और जवाबदेही के साथ उनका उत्तर दे। लेकिन दोनों पक्षों की समान जिम्मेदारी यह भी है कि संसद की गरिमा और मर्यादा किसी भी राजनीतिक संघर्ष से ऊपर रहे। मतभेद जितने भी तीखे हों, संवाद तथ्यपरक, संयमित और जनहित केंद्रित होने चाहिए और सभी दल यह ध्यान रखें की सदन की गरिमा और मर्यादा सर्वोपरि है, इसे बनाए रखना सबका दायित्व है।

विकास कार्यों की जवाबदेही भी तय हो

ऐसा क्यों होता है कि बरसात आते ही देश के विकास के प्रतिमान ढहने लगते हैं। कई हजार करोड़ की संरचनाएं तकनीकी कारणों से जानलेवा बन जाती हैं। इसमें कोई शक नहीं है कि भारत आज दुनिया की सबसे तेजी से बढ़ती अर्थव्यवस्थाओं में शामिल है। देश में राजमार्गों का जाल बिछ रहा है, वंदे भारत जैसी आधुनिक रेल सेवाएं शुरू हो रही हैं, नए हवाई अड्डे बन रहे हैं, समुद्र पर लंबे पुल तैयार हो रहे हैं और स्मार्ट शहरों का सपना आकार ले रहा है। सरकारें इन परियोजनाओं को नए भारत की पहचान के रूप में प्रस्तुत करती हैं। इस चमकदार तस्वीर का दूसरा पहलू भी है। पिछले कुछ वर्षों में नई बनी सड़कों का पहली बारिश में उखड़ जाना, उद्घाटन के कुछ समय बाद ही पुलों में दरारें आना, निर्माणाधीन पुलों का गिर जाना और सार्वजनिक इमारतों की छतों का ढह जाना एक गंभीर प्रश्न खड़ा करता है-क्या हम टिकाऊ विकास कर रहे हैं या केवल विकास का प्रदर्शन?

दिल्ली-मेरठ एक्सप्रेस वे हो या फिर प्रगति मैदान की सुरंग, बरसात में जलजमाव होना आम बात है। बिहार में गंगा पार का अगुवानी–सुल्तानगंज पुल निर्माण के दौरान दो बार ढह गया। इस परियोजना पर सैकड़ों करोड़ रुपये खर्च हो चुके थे। इसके बावजूद लंबे समय तक यह स्पष्ट नहीं हो पाया कि डिजाइन में कमी थी, निर्माण सामग्री दोषपूर्ण थी या निगरानी में गंभीर लापरवाही हुई। इसी प्रकार, बिहार में कई छोटे पुलों और पुलियों के लगातार गिरने की घटनाओं ने राज्य की निर्माण व्यवस्था पर प्रश्नचिह्न लगा दिया। मुंबई में छत्रपति शिवाजी महाराज की प्रतिमा का गिरना भी केवल एक तकनीकी विफलता नहीं था। करोड़ों रुपये की लागत से स्थापित प्रतिमा का अपेक्षाकृत कम समय में ढह जाना यह बताता है कि गुणवत्ता परीक्षण और संरचनात्मक सुरक्षा के मानकों की अनदेखी कितनी महंगी पड़ सकती है। करीब 36,230 करोड़ रुपये की लागत से बने गंगा एक्सप्रेसवे का उद्घाटन होने के कुछ ही समय बाद उन्नाव के निकट इसकी लिंक रोड पहली ही बारिश में धंस गई। पहली ही भारी बारिश के बाद उत्तर प्रदेश के शामली और सहारनपुर के पास 12,000 करोड़ की लागत से बना दिल्ली-देहरादून एक्सप्रेसवे (विशेषकर हाथ कररोड़ा गांव के समीप) कई जगहों से धंस गया था। इसके कारण बने बड़े-बड़े गड्ढों से कई गाड़ियां क्षतिग्रस्त हुईं। सबसे चिंताजनक बात यह है कि अधिकांश दुर्घटनाओं के बाद कुछ दिनों तक चर्चा होती है, जांच समिति बनती है, कुछ अधिकारियों का तबादला या निलंबन होता है और फिर मामला ठंडे बस्ते में चला जाता है। दोष तय नहीं होता, न किसी बड़ी निर्माण एजेंसी की जवाबदेही सुनिश्चित होती है और न ही ऐसी घटनाओं से सीख लेकर व्यवस्था में व्यापक सुधार दिखाई देता है। ऐसी घटनाएं केवल इंजीनियरिंग की विफलता नहीं हैं। इनके पीछे कई स्तरों की समस्याएं काम करती हैं। पहली समस्या है समय से पहले परियोजना पूरी करने का राजनीतिक दबाव। आज अधिकांश बड़ी परियोजनाएं चुनावी कैलेंडर से जुड़ जाती हैं। उद्घाटन की तारीख तय हो जाती है और फिर निर्माण एजेंसियों पर समय सीमा पूरी करने का दबाव बढ़ जाता है। ऐसे में गुणवत्ता परीक्षण, अंतिम निरीक्षण और तकनीकी मानकों के पालन में समझौते की आशंका बढ़ जाती है। दूसरी समस्या है सबसे कम बोली आधारित

ठेका प्रणाली। सरकारी खरीद में कम लागत निश्चित रूप से महत्वपूर्ण है, लेकिन जब प्रतिस्पर्धा केवल सबसे सस्ता ठेका पाने तक सीमित रह जाए तो गुणवत्ता प्रभावित होना स्वाभाविक है। कई बार ठेकेदार बाद में लागत की भरपाई घटिया सामग्री, कम गुणवत्ता वाले श्रम या तकनीकी मानकों में कटौती करके करते हैं। तीसरी और सबसे गंभीर समस्या है जवाबदेही का अभाव। किसी पुल के गिरने, सड़क के धंसने या सरकारी भवन के ढहने के बाद यदि दोषी इंजीनियर, निर्माण एजेंसी या निगरानी संस्था पर कठोर कार्रवाई नहीं होती तो यह संदेश जाता है कि सार्वजनिक धन की बर्बादी की कोई वास्तविक कीमत नहीं चुकानी पड़ेगी। यही कारण है कि गलतियां दोहराई जाती हैं। विडंबना यह है कि भारत में परियोजनाओं की सफलता का मूल्यांकन अक्सर उनकी लागत, लंबाई या उद्घाटन की तारीख से किया जाता है, न कि उनकी डिजाइन आयु और टिकाऊपन से। यदि किसी पुल की अनुमानित आयु सौ वर्ष है, लेकिन वह दस वर्ष में ही बड़ी मरम्मत मांगने लगे, तो उसे सफल परियोजना नहीं कहा जा सकता, चाहे उसका उद्घाटन कितने ही भव्य तरीके से हुआ हो। जलवायु परिवर्तन का तर्क भी अक्सर सामने रखा जाता है। निश्चित रूप से अत्यधिक वर्षा, बाढ़ और भूस्खलन जैसी घटनाएं बढ़ी हैं। लेकिन यदि विकसित देशों में इन्हीं परिस्थितियों में बने पुल और सड़कें दशकों तक सुरक्षित रह सकती हैं, तो भारत में हर बार प्राकृतिक आपदा को ही दोष नहीं दिया जा सकता। आधुनिक इंजीनियरिंग का उद्देश्य ही बदलती जलवायु को ध्यान में रखकर संरचनाएं तैयार करना है। इस समस्या का एक सामाजिक पक्ष भी है। जब किसी सड़क के बार-बार मरम्मत की आवश्यकता होती है, तो उसकी वास्तविक लागत कई गुना बढ़ जाती है। इसका भुगतान अंततः करदाता करता है। दुर्घटनाओं में जान-माल की हानि अलग होती है। खराब आधारभूत संरचना उद्योग, पर्यटन, परिवहन और निवेश-सभी को प्रभावित करती है। इसलिए यह केवल तकनीकी या प्रशासनिक मुद्दा नहीं, बल्कि आर्थिक विकास और नागरिक सुरक्षा का प्रश्न भी है। समाधान भी स्पष्ट हैं, बशर्ते उन्हें लागू करने की राजनीतिक इच्छाशक्ति हो। प्रत्येक बड़ी परियोजना का स्वतंत्र तृतीय-पक्ष गुणवत्ता ऑडिट अनिवार्य होना चाहिए। निर्माण पूरा होने के बाद केवल उद्घाटन नहीं, बल्कि विस्तृत सुरक्षा प्रमाणन सार्वजनिक किया जाना चाहिए। दोषी ठेकेदारों और अधिकारियों को ब्लैकलिस्ट करने की व्यवस्था वास्तव में लागू होनी चाहिए। नियंत्रक एवं महालेखा परीक्षक (सीएजी) तथा अन्य तकनीकी संस्थाओं की रिपोर्टों पर समयबद्ध कार्रवाई हो। साथ ही, परियोजनाओं की पूरी जानकारी-लागत, ठेकेदार, गुणवत्ता परीक्षण और रखरखाव-जनता के लिए ऑनलाइन उपलब्ध होनी चाहिए। भारत को विकास की गति धीमी करने की आवश्यकता नहीं है। आवश्यकता इस बात की है कि विकास की गति और गुणवत्ता दोनों साथ चलें। दुनिया में किसी भी देश की पहचान केवल ऊंची इमारतों, लंबे पुलों या चौड़ी सड़कों से नहीं बनती, बल्कि उनसे बनती है जो दशकों तक सुरक्षित, टिकाऊ और भरोसेमंद बनी रहें। यदि हम हर दुर्घटना के बाद केवल शोक व्यक्त करेंगे, मुआवजा घोषित करेंगे और फिर अगली दुर्घटना की प्रतीक्षा करेंगे, तो यह विकास नहीं, बल्कि सार्वजनिक संसाधनों की निरंतर बर्बादी होगी। अब समय आ गया है कि भारत में आधारभूत संरचना का मूल्यांकन केवल उसकी संख्या से नहीं, बल्कि उसकी गुणवत्ता, टिकाऊपन और जवाबदेही से किया जाए। क्योंकि किसी भी राष्ट्र की वास्तविक ताकत उसके उद्घाटनों में नहीं, बल्कि उन संरचनाओं में होती है जो आने वाली पीढ़ियों तक सुरक्षित खड़ी रहती हैं।

(लेखक स्वतंत्र पत्रकार हैं, ये उनके अपने विचार हैं।)

लेख पर अपनी प्रतिक्रिया haribhoomi@gmail.com पर दे सकते हैं।

ऐसा क्यों होता है कि बरसात आते ही देश के विकास के प्रतिमान ढहने लगते हैं। कई हजार करोड़ की संरचनाएं तकनीकी कारणों से जानलेवा बन जाती हैं। इसमें कोई शक नहीं है कि भारत आज दुनिया की सबसे तेजी से बढ़ती अर्थव्यवस्थाओं में शामिल है। देश में राजमार्गों का जाल बिछ रहा है, वंदे भारत जैसी आधुनिक रेल सेवाएं शुरू हो रही हैं, नए हवाई अड्डे बन रहे हैं, समुद्र पर लंबे पुल तैयार हो रहे हैं और स्मार्ट शहरों का सपना आकार ले रहा है। इस चमकदार तस्वीर का दूसरा पहलू भी है। नई बनी सड़कों का पहली बारिश में उखड़ जाना, उद्घाटन के कुछ समय बाद ही पुलों में दरारें आना, निर्माणाधीन पुलों का गिरना, सार्वजनिक इमारतों की छतों का ढह जाना गंभीर प्रश्न खड़ा करता है।

शिक्षा व्यवस्था
अजय जैन

शिक्षा व्यापार नहीं, राष्ट्र निर्माण का सर्वोच्च साधन

नई दिल्ली के जंतर-मंतर पर चला छात्रों का आंदोलन केवल प्रश्नपत्र लीक होने के विरुद्ध विरोध प्रदर्शन नहीं, बल्कि यह देश के करोड़ों युवाओं की उस पीड़ा, निराशा और आक्रोश का प्रतीक रहा है, जिनके सपने बार-बार एक भ्रष्ट और असफल व्यवस्था की भेंट चढ़ जाते हैं। केंद्र तथा राज्य सरकारों की विभिन्न भर्ती एजेंसियों द्वारा आयोजित प्रतियोगी परीक्षाओं के प्रश्नपत्रों का लगातार लीक होना आज देश की सबसे गंभीर समस्याओं में से एक बन चुका है। प्रत्येक प्रश्नपत्र लीक केवल प्रशासनिक विफलता नहीं है, बल्कि उन लाखों छात्रों और उनके अभिभावकों के विश्वास के साथ विश्वासघात है, जिन्होंने वर्षों की मेहनत, समय और धन इस आशा में लगाया कि उन्हें योग्यता के आधार पर अवसर मिलेगा। इस समस्या का प्रभाव केवल आर्थिक नहीं है। यह विद्यार्थियों और उनके परिवारों को मानसिक, शारीरिक और भावनात्मक रूप से भी तोड़ देता है। देश के दूर-दराज गांवों से आने वाले छात्रों की स्थिति और भी अधिक दयनीय है। गुणवत्तापूर्ण शिक्षा और प्रतियोगी परीक्षाओं की तैयारी के लिए उन्हें दिल्ली, कोटा, हैदराबाद और अन्य महानगरों में आना पड़ता है। वे अत्यंत छोटे, भीड़भाड़ वाले कमरों में अमानवीय परिस्थितियों में रहने को विवश होते हैं। देश अभी भी उन दर्दनाक घटनाओं को नहीं भूला है, जब पिछले वर्ष बाढ़ के कारण कई छात्रों की जान चली गई थी। समय-समय पर कोचिंग संस्थानों में आग लगने जैसी घटनाओं ने भी सुरक्षा व्यवस्था की पोल खोल दी है। इससे भी अधिक दुखद यह है कि अनेक छात्र प्रश्नपत्र लीक होने, परीक्षाएं निरस्त होने या बार-बार स्थगित होने के कारण गहरे अवसाद में चले जाते हैं। कुछ छात्र आत्महत्या जैसा भयावह कदम उठाने तक को विवश हो जाते हैं। हर बार परीक्षा रद्द होने का अर्थ है-फिर से तैयारी, फिर से कोचिंग फीस, फिर से किराया, भोजन और जीवन-यापन का खर्च। यह बोझ उन माता-पिताओं के लिए असहनीय हो जाता है, जो अपनी सीमित आय में अपने बच्चों के भविष्य के लिए सब कुछ दांव पर लगा देते हैं। जंतर-मंतर पर हुए छात्र आंदोलन की प्रमुख मांग तत्कालीन शिक्षा मंत्री धर्मेंद्र प्रधान के इस्तीफे की थी। व्यापक जनाक्रोश और छात्रों के दबाव के बीच उन्होंने अपना पद छोड़ दिया। किंतु सबसे बड़ा प्रश्न आज भी हमारे सामने खड़ा है-क्या केवल एक मंत्री के इस्तीफे से यह सुनिश्चित हो जाएगा कि भविष्य में कोई प्रश्नपत्र लीक नहीं होगा? उत्तर स्पष्ट है-नहीं। समस्या किसी एक व्यक्ति की नहीं, बल्कि पूरे तंत्र की है। आज कृत्रिम बुद्धिमत्ता, ब्लॉकचेन तथा आधुनिक डिजिटल सुरक्षा तकनीकों का युग है। भारत के पास ऐसी तकनीकी क्षमता उपलब्ध है जिससे लगभग पूर्णतः सुरक्षित परीक्षा प्रणाली विकसित की जा सकती है। आवश्यकता केवल राजनीतिक इच्छाशक्ति, प्रशासनिक ईमानदारी और संस्थागत जवाबदेही की है। दुर्भाग्य से सत्ता पक्ष और विपक्ष दोनों ही प्रायः तात्कालिक राजनीतिक लाभ-हानि में उलझे रहते हैं, जबकि समस्या कहीं अधिक गहरी है। ऐसा प्रतीत होता है कि पिछले कई दशकों में विभिन्न सरकारों के कार्यकाल के दौरान एक संगठित 'शिक्षा माफिया' विकसित हो गया है, जिसने शिक्षा को सेवा नहीं बल्कि व्यापार बना दिया है। गुणवत्तापूर्ण शिक्षा धीरे-धीरे सामान्य नागरिक की पहुंच से बाहर होती जा रही है। एक समय था जब प्री-मेडिकल, प्री-इंजीनियरिंग अथवा विद्यालयी शिक्षा में प्राप्त अंकों के आधार पर योग्यता सूची तैयार होती थी और उसी के आधार पर व्यावसायिक संस्थानों में प्रवेश मिलता था। आज परिस्थितियां पूरी तरह बदल चुकी हैं। हजारों छात्र ग्यारहवीं और बारहवीं कक्षा में केवल 'डमी एडमिशन' लेकर अपना अधिकांश समय महंगे कोचिंग संस्थानों में बिताते हैं। आज आवश्यकता सम्पूर्ण शिक्षा व्यवस्था में व्यापक सुधार की है। भर्ती परीक्षाओं को अत्याधुनिक तकनीक से सुरक्षित बनाया जाए, पारदर्शिता सुनिश्चित की जाए, दोषियों के विरुद्ध कठोर कार्रवाई हो तथा गुणवत्तापूर्ण सरकारी शिक्षा को सुलभ और सशक्त बनाया जाए। साथ ही निजी शिक्षण संस्थानों के प्रभावी नियमन तथा योग्यता-आधारित प्रवेश प्रणाली को पुनः स्थापित करना समय की मांग है। शिक्षा को व्यापार नहीं, राष्ट्र निर्माण का सर्वोच्च साधन माना जाना चाहिए। हमें अपनी उस पुरानी परंपरा की ओर लौटना होगा, जहां शिक्षा को एक पवित्र दायित्व समझा जाता था, न कि लाभ कमाने का माध्यम। यदि हम केवल मंत्रियों के इस्तीफों तक सीमित रहेंगे और शिक्षा व्यवस्था की मूल समस्याओं का समाधान नहीं करेंगे, तो करोड़ों युवाओं का भविष्य बार-बार इसी प्रकार अनिश्चितता, निराशा और अन्याय का शिकार होता रहेगा।

(लेखक पंजाब-हरियाणा हाई कोर्ट के वरिष्ठ अधिवक्ता हैं, ये उनके अपने विचार हैं।)

ईश्वर की प्राप्ति ही जीवन का सर्वोच्च उद्देश्य

संकलित
दर्शन

गीता में भगवान श्रीकृष्ण ने ईश्वर प्राप्ति के तीन -ज्ञान, कर्म तथा भक्ति मार्ग बताए हैं। ज्ञान मार्ग में सांख्य की सहायता से मनुष्य तर्क-वितर्क द्वारा तत्व ज्ञान प्राप्त करने की कोशिश करता है, परंतु अक्सर तर्क-वितर्क में वह अपने मार्ग से भटक जाता है। कर्म मार्ग में भी मनुष्य को निष्काम भाव से कर्म करना होता है। अपने कर्म को ईश्वर को समर्पित करना पड़ता है। इसलिए इसमें भी भटकने की पूरी संभावना होती है। वहीं भक्ति मार्ग में वह अपने आप को पूर्णतया ईश्वर भक्ति में समर्पित कर देता है। वह स्वयं को विचलित नहीं करता है। इसलिए भक्ति मार्ग में ईश्वर प्राप्ति की पूरी संभावना होती है। इन तीनों मार्गों पर चलकर सफल होने के लिए मनुष्य को अष्टांग योग के पहले दो चरणों को जीवन में अपनाना जरूरी है। यह हैं यम और नियम। यम में सत्य, अहिंसा, ब्रह्मचर्य, अस्तेय और अपरिग्रह आते हैं। सत्य शब्द से तात्पर्य है सत्यता का जीवन में हर समय पालन करना। अहिंसा केवल जीव हिंसा से ही संबंधित नहीं है, इसमें दूसरों की भावनाओं को आहत नहीं करना भी आता है। अस्तेय का अर्थ है चोरी न करना और अपरिग्रह से तात्पर्य है कि आवश्यकता से ज्यादा किसी वस्तु या धन का संग्रह न करना। वहीं नियम में शौच, संतोष, तप, स्वाध्याय और ईश्वर-प्राणिधान आते हैं। शौच से मतलब मन की सफाई होता है। इसके लिए मनुष्य को स्वाध्याय को अपनाना चाहिए। यम और नियम को जीवन में अपनाने के लिए सर्वप्रथम ज्ञानेंद्रियों पर नियंत्रण करना जरूरी है।

पति-पत्नी के बीच अविश्वास नहीं होना चाहिए

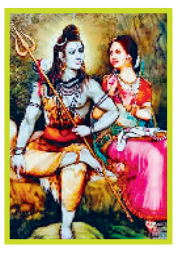

संकलित
प्रेरणा

शिव जी और सती को रास्ते में श्रीराम दिखाई दिए। श्रीराम सीता के वियोग में रो रहे थे। शिव जी ने श्रीराम को दूर से ही प्रणाम किया और देवी सती से कहा कि तुम भी भगवान को प्रणाम करो। सती ने सोचा कि जो व्यक्ति रो रहा है, वह भगवान कैसे हो सकता है। शिव जी ने समझाया कि आप श्रीराम पर संदेह न करें, वे भगवान ही हैं। शिव जी तो वहां से चले गए, लेकिन देवी सती ने सोचा कि वे श्रीराम की परीक्षा लेंगी। ऐसा सोचकर वे सीता का रूप धारण करके श्रीराम के सामने पहुंच गईं। श्रीराम ने उन्हें पहचान लिया, प्रणाम किया और पूछा कि देवी आप अकेली आई हैं, भगवान शिव कहां हैं। श्रीराम की बात सुनकर सती लज्जित हो गईं और चुपचाप शिव जी के पास लौट आईं। इसके बाद शिव जी ने देवी सती का मानसिक त्याग कर दिया था। इस घटना के कुछ समय बाद देवी सती के पिता ने एक यज्ञ का आयोजन किया था। यज्ञ में दक्ष ने शिव-सती को छोड़कर सभी देवी-देवताओं को बुलाया था। जब ये बात सती को मालूम हुई तो उन्होंने शिव जी से पिता के यहां जाने की अनुमति मांगी। शिव जी ने सती को समझाया कि हमें ऐसे आयोजन में बिना बुलाए नहीं जाना चाहिए, लेकिन सती ने शिव जी की बात नहीं मानी और पिता के यहां यज्ञ में चली गईं। सती जब यज्ञ स्थल पर पहुंची तो दक्ष ने सती के सामने ही शिव जी का अपमान करना शुरू कर दिया। सती ये सहन नहीं सकीं और यज्ञ कुंड में कूदकर देह त्याग दी।

अंतर्मन

आज की पाती

अभिव्यक्ति की आजादी का दुरुपयोग न हो

लोकतंत्रीय व्यवस्था में संविधान के अनुसार हर नागरिक को अपनी आवाज सरकार तक पहुंचाने के लिए अभिव्यक्ति/प्रदर्शन व अहिंसक/ शांतिपूर्ण मार्च का अधिकार दिया गया है। किन्तु उसका बेजा उपयोग या दुरुपयोग कानूनी जुर्म होगा। अगर अभिव्यक्ति/प्रदर्शन अहिंसक और शांतिपूर्ण है तो सरकारी कानून-व्यवस्था का अनावश्यक उपयोग भी संविधान के अनुसार गैरकानूनी माना जा सकेगा। सुप्रीम कोर्ट ने भी हाल ही में पेपर लीक के मामले में सीजेपी द्वारा छात्रों को लेकर अहिंसक प्रदर्शन/आंदोलन व अभिव्यक्ति की स्वतंत्रता पर संज्ञान लेते हुए यही कहा है कि प्रदर्शनकारी हों या पुलिस, यदि किसी ने भी किसी पर अनावश्यक ज्यादती की है तो वे कानून के दायरे में आएंगे। – *संजय द्विवेदी, हिसार*

ट्रेंड

परीक्षा संशोधन विधेयक

लोकसभा ने व्यापक बहस के बाद सार्वजनिक परीक्षा संशोधन विधेयक, 2026 पारित कर दिया है। यह भारत की परीक्षा प्रणाली की निष्पक्षता को और मजबूत करने की दिशा में एक महत्वपूर्ण कदम है।
- **राजनाथ सिंह,** रक्षामंत्री

हर छात्र का अपमान

रेपिस्ट का बचाव करने वाले व्यक्ति से ज्यादा घटिया और कोई नहीं हो सकता। प्रह्लाद जोशी हमारे शिक्षा तंत्र और उसमें पढ़ने वाले हर छात्र का अपमान हैं। उनके अधीन संस्थानों में करोड़ों युवतियां पढ़ती हैं। भारत की महिलाएं पीएम मोदी के नए शिक्षा मंत्री को कभी स्वीकार नहीं करेंगी।
- **राहुल गांधी,** सांसद, कांग्रेस

ग्लासगो कॉमनवेल्थ गेम्स

ग्लासगो कॉमनवेल्थ गेम्स 2026 में महिलाओं के 69 किलोग्राम भारोत्तोलन इवेंट में सिल्वर मेडल जीतने पर हरजिंदर कौर और पुरुषों की 10,000 मीटर दौड़ में सिल्वर मेडल जीतने पर गुलवीर सिंह को हार्दिक बधाई और शुभकामनाएं।
- **नीतीश कुमार,** राज्यसभा सांसद, जदयू

शिक्षा विभाग में खाली पद

बीजेपी ने अपने 'संकल्प पत्र 2023' के पेज 33 पर लिखित रूप में वादा किया था: "हम शिक्षा विभाग में सभी खाली पदों को एक साल के भीतर भरने के लिए प्रतिबद्ध हैं।" आज शिक्षा विभाग में खाली पदों की संख्या बढ़कर लगभग डेढ़ लाख हो गई है।
- **अशोक गहलोत,** पूर्व सीएम, राजस्थान

करंट अफेयर

पीओके के प्रदर्शनकारी पाक के दुश्मन : रक्षा मंत्री आसिफ

पाकिस्तान के रक्षा मंत्री ख्वाजा आसिफ ने पाकिस्तान के कब्जे वाले कश्मीर (पीओके) में प्रदर्शनकारियों को भारत की तरह दुश्मन बताते हुए कहा है कि उनके साथ कोई बातचीत नहीं की जाएगी। इस बीच, पीओके में प्रदर्शनकारियों और सुरक्षा बलों के बीच हुई झड़पों में मरने वालों की संख्या बुधवार को बढ़कर 20 हो गई। प्रतिबंधित ज्वाइंट अवामी एक्शन कमेटी (जेएएसी) ने बुधवार को कहा कि सोमवार से पीओके में कानून प्रवर्तन एजेंसियों के साथ हुई झड़पों में उसके कम से कम 20 कार्यकर्ता मारे गए हैं और कई घायल हुए हैं। हालांकि, कानून प्रवर्तन अधिकारियों ने मृतकों की संख्या पर सवाल उठाते हुए प्रदर्शनकारियों पर आरोप लगाया कि उन्होंने सुरक्षा बलों पर गोलीबारी की। ख्वाजा आसिफ ने मंगलवार को पत्रकारों से कहा, 'प्रदर्शनकारियों के साथ कोई बातचीत नहीं होगी। मैं उन्हें भारत की ही श्रेणी में मानता हूं और उन्हें पाकिस्तान का दुश्मन समझता हूं।' वहीं, प्रधानमंत्री के सलाहकार राणा सनाउल्लाह ने कहा कि जेएएसी ने उनके साथ एक बैठक की थी और अपनी 38 मांगें रखी थीं। उन्होंने आरोप लगाया कि प्रदर्शनकारी मुजफ्फराबाद और मीरपुर पर बलपूर्वक कब्जा करना चाहते हैं।

ऑफ बीट

भाषाओं को खत्म कर रहा जलवायु परिवर्तन

अमेरिका के वॉशिंगटन राज्य के केलर में रहने वाली पॉलिन स्टेन्सगर का दो मई 2023 में 96 वर्ष की उम्र में निधन हो गया और उनके साथ उनकी भाषा भी खत्म हो गई। पॉलिन 'इन-हा- उम-चीन' भाषा बोलने वाली अंतिम व्यक्ति थीं। वॉशिंगटन राज्य क्षेत्र में अमेरिका के रहने वाले कुछ समूह इस भाषा में बात किया करते थे। पॉलिन के अपनी भाषा के प्रति प्यार को धन्यवाद, जिसकी वजह से हम इस भाषा से पूरी तरह अनजान नहीं हैं। सैलिश स्कूल ऑफ स्पोकाने के प्रधानाचार्य क्रिस्टॉफर पार्किन ने बताया कि पॉलिन स्टेन्सगर ने छह पाठ्यपुस्तकों की रचना की और उनके पास भाषा की 100 से ज्यादा रिकॉर्डिंग हैं। अगर कोई भी 'इन-हा-उम-चीन' सीखना चाहता है तो वह सीख सकता है। लेकिन कुछ विलुप्त भाषाएं, 'इन-हा-उम-चीन' जितनी भाग्यशाली नहीं हैं। हम इन्हें हमेशा के लिए खो सकते हैं। दुनिया के कुछ हिस्से भाषाओं के संदर्भ में समृद्ध हैं लेकिन वहां लाखों लोग पर्यावरणीय आपदाओं के चलते विस्थापित होने के लिए मजबूर हैं, जो भाषाओं के विलुप्त होने का एक प्रमुख कारण है। दुनियाभर में आज सात हजार से अधिक भाषाएं बोली जाती हैं, जिनका इतिहास है और इन्हें बोलने वालों के पास इनका ज्ञान भंडार है।

हमारा पता
हरिभूमि कार्यालय
नजदीक इंडस पब्लिक स्कूल, दिल्ली रोड,
रोहतक-124001 फोनः 9253681019-20
ई-मेल : haribhoomi@gmail.com
वेब-साइट : www.haribhoomi.com

गुलवीर ने 10 हजार मीटर दौड़ में भारत को दिलाया पहला पदक

एथलेटिक्स में दूसरा रजत पदक

एजेंसी ▶▶| ग्लास्गो

एशियाई खेलों के कांस्य पदक विजेता भारतीय एथलीट गुलवीर सिंह ने राष्ट्रमंडल खेलों की पुरुषों की 10 हजार मीटर दौड़ में शानदार प्रदर्शन करते हुए रजत पदक जीतकर नया इतिहास रचा। इसके साथ ही वह इस स्पर्धा में राष्ट्रमंडल खेलों के इतिहास में पदक जीतने वाले पहले भारतीय एथलीट बन गए। एथलेटिक्स में भारत का यह दूसरा रजत पदक है। इससे पहले सर्वेश कुशारे ने पुरुषों की ऊंची कूद में रजत पदक जीता था।

बारिश और पानी से भरे ट्रैक में दौड़े गुलवीर

राष्ट्रीय रिकॉर्डधारी गुलवीर ने 'स्कॉट्सटाउन स्टेडियम' में लगातार हो रही बारिश और पानी से भरे ट्रैक जैसी चुनौतीपूर्ण परिस्थितियों के बावजूद पूरी दौड़ में अग्रणी धावकों के साथ अपनी जगह बनाए रखी। अंतिम चरण में उन्होंने जबरदस्त तेजी दिखाई और 27 मिनट 49.78 सेकंड का समय निकालकर दूसरा स्थान हासिल किया। ऑस्ट्रेलिया के काई रॉबिन्सन ने 27:48.93 सेकंड के साथ स्वर्ण पदक जीता, जबकि आइल ऑफ मैन के डेविड मुलार्की 27:50.28 सेकंड के साथ कांस्य पदक जीतने में सफल रहे।

नहीं पड़ता मौसम का असर : गुलवीर

गुलवीर ने कहा, 'पदक जीतकर हमेशा अच्छा लगता है। दौड़ अच्छी रही, बारिश भी हुई, लेकिन जब आप पदक जीतते हैं तो बारिश हो, धूप हो, गर्मी हो या कुछ और हो, इससे कोई फर्क नहीं पड़ता।' उन्होंने कहा, 'मैंने सब कुछ भगवान पर छोड़ दिया था। दौड़ से पहले मैंने सर्वशक्तिमान से कहा था, देख लेना प्रभु।'

अफ्रीकी धावकों को पीछे छोड़ा

अमेरिका में कोच स्कॉट सिमंस के मार्गदर्शन में प्रशिक्षण ले रहे गुलवीर ने मजबूत प्रतिस्पर्धा के बीच बेहतरीन रणनीति अपनाई। इस दौड़ में कीनिया के 2023 की विश्व चैंपियनशिप के पदक विजेता डेनियल एबेयो जैसे कई दिग्गज अफ्रीकी धावक भी शामिल थे। लगातार बारिश के बावजूद गुलवीर अधिकांश समय शीर्ष समूह के साथ बने रहे और अंतिम लैप में अपनी गति को बढाकर मुलार्की को पीछे छोड़ते हुए रजत पदक पर कब्जा जमाया।

40 साल बाद विजेताओं में अफ्रीकी धावक नदारद

गुलवीर के इस प्रदर्शन के साथ एक और बड़ा इतिहास भी बना। वर्ष 1986 के बाद पहली बार राष्ट्रमंडल खेलों की पुरुष 10 हजार मीटर स्पर्धा के पदक विजेताओं में किसी भी अफ्रीकी धावक का नाम शामिल नहीं रहा। यह उपलब्धि 2022 के बर्मिंघम राष्ट्रमंडल खेलों में अविनाश साबले द्वारा 3000 मीटर स्टीपलचेज में कीनिया के लंबे समय से चले आ रहे वर्चस्व को तोड़ते हुए रजत पदक जीतने की याद भी ताजा कर गई।

टेबल टेनिसः पुरुष और महिला टीम फाइनल में

नई दिल्ली (भाषा)। भारत की पुरुष और महिला टीम ने बुधवार को यहां 22वीं राष्ट्रमंडल टेबल टेनिस चैंपियनशिप के अपने-अपने सेमीफाइनल में इंग्लैंड को हराकर फाइनल में प्रवेश किया। शीर्ष वरीयता प्राप्त भारतीय पुरुष टीम ने एकतरफा मुकाबले में इंग्लैंड को 3-0 से हराकर प्रतियोगिता में अपना अजेय अभियान जारी रखा। मनुष शाह ने कॉनर ग्रीन को 11-9, 11-9, 11-6 से हराकर भारत को अच्छी शुरुआत दिलाई। इसके बाद दुनिया के 38वें नंबर के खिलाड़ी मानव ठक्कर ने बायीं आंख के ऊपर 13 टांके होने के बावजूद शानदार प्रदर्शन करते हुए जोसेफ हंटर को 11-8, 11-4, 11-5 से शिकस्त दी। अनुभवी हरमीत देसाई ने बेंजामिन पिगॉट को 11-5, 11-5, 11-5 से हराकर भारत की 3-0 की जीत सुनिश्चित की। भारतीय पुरुष टीम ने पूरे टूर्नामेंट में एक भी मैच गंवाए बिना फाइनल में जगह बनाई। महिला टीम को हालांकि कड़ी चुनौती का सामना करना पड़ा लेकिन उसने इंग्लैंड को 3-1 से हराकर खिताबी मुकाबले में प्रवेश किया। राष्ट्रमंडल खेलों की पदक विजेता श्रीजा अकुला ने चियुक लाम जैस्मिन वोंग को 11-6, 11-3, 11-9 से हराकर भारत को बढ़त दिलाई। इंग्लैंड की टिन-टिन हो ने यशस्विनी घोरपड़े को 11-9, 11-6, 11-7 से हराकर स्कोर 1-1 से बराबर कर दिया। इसके बाद सिंड्रेला दास ने ऐना ग्रीन को 11-7, 11-4, 11-9 से हराकर भारत को फिर बढ़त दिलाई। चौथे मुकाबले में श्रीजा ने टिन-टिन हो को पांच गेम तक चले रोमांचक मुकाबले में 11-8, 5-11, 11-6, 8-11, 11-9 से हराकर भारत की जीत सुनिश्चित की। पुरुष और महिला दोनों वर्गों के फाइनल में अब भारत का सामना मलेशिया से होगा।

पुरुष पेयर्स लॉन बॉल्स : नामीबिया को हराकर भारत ने दर्ज की दूसरी जीत

ग्लास्गो (भाषा)। भारत ने राष्ट्रमंडल खेलों की लॉन बॉल्स प्रतियोगिता में अपना शानदार अभियान जारी रखते हुए बुधवार को पुरुष पेयर्स वर्ग के सेक्शन बी के दूसरे दौर के दूसरे मैच में नामीबिया को कड़े मुकाबले में हराया। मंगलवार को कुक आइलैंड्स के खिलाफ टाईब्रेकर में मिली जीत के बाद भारत के 'लीड' नवनीत सिंह और 'स्किप' दिनेश कुमार की जोड़ी ने पिछड़ने के बावजूद संयम बनाए रखा और पहला सेट 5-3 से अपने नाम किया। नामीबिया ने 3-0 की बढ़त हासिल कर ली थी लेकिन भारतीय जोड़ी ने सटीक थ्रो और शानदार रणनीति के दम पर लगातार पांच अंक जुटाकर मैच का रुख पलट दिया और प्रतिद्वंद्वी टीम की वापसी की उम्मीदों को झटका दिया। दूसरे सेट में भारतीय खिलाड़ियों का दबदबा शुरू से ही कायम रहा। उन्होंने शुरुआती 2-0 की बढ़त को लगातार शानदार खेल और 'जैक' पर प्रभावी नियंत्रण के दम पर 6-1 तक पहुंचा दिया। नामीबिया ने सेट के अंतिम चरण में दो अंक लेकर अंतर 3-6 कर दिया लेकिन तब तक मुकाबले का नतीजा लगभग तय हो चुका था। भारतीय जोड़ी ने आसानी से मैच जीतकर ग्रुप चरण में लगातार दूसरी जीत दर्ज की।

नवनीत और दिनेश कुमार की जोड़ी ने पिछड़ने के बावजूद 6-1 से जीता मुकाबला

हरजिंदर कौर ने 227 किग्रा भार उठाकर जीता सिल्वर मेडल

ग्लासगो में जारी कॉमनवेल्थ गेम्स महिला वेटलिफ्टर हरजिंदर कौर ने धमाल मचा दिया। महिलाओं की 69 किग्रा वेट कैटेगरी में हरजिंदर ने कुल 227 किग्रा भार उठाकर सिल्वर मेडल अपने नाम कर लिया। हरजिंदर कौर ने 69 किग्रा भार कैटेगरी के स्नैच के पहले प्रयास में 98 किग्रा उठाया, उसके बाद दूसरे प्रयास में 99 और तीसरे प्रयास में 101 किग्रा का वजन उठाया। उनके तीनों ही प्रयास सफल रहे। इसके बाद क्लीन एंड जर्क के तीन प्रयासों में 120, 123 और 126 किग्रा भार उठाया। इस तरह स्नैच में 101 और क्लीन एंड जर्क में 126 किग्रा उठाने के साथ कुल 227 किग्रा वजन के दम पर हरजिंदर ने सिल्वर मेडल हासिल किया।

खबर संक्षेप

मैं बेहतर प्रदर्शन कर सकती थीः मनु

नई दिल्ली। मनु भाकर ने कहा कि हांगझोउ में हाल ही में समाप्त हुए विश्व कप में 25 मीटर पिस्टल स्पर्धा में कांस्य पदक जीतने पर उनकी भावनाएं मिली जुली है और वह इससे बेहतर प्रदर्शन कर सकती थी। भाकर अभी भी 2026 में अपना पहला व्यक्तिगत स्वर्ण पदक जीतने की तलाश में हैं। भाकर ने एक्स पर पोस्ट किया, 'एक और कांस्य पदक। इस पदक को लेकर मेरी मिली-जुली भावनाएं हैं। मुझे खुशी है कि मैं अपने प्रदर्शन में सुधार कर पाई, लेकिन साथ ही, मुझे पता है कि मैं इससे भी बेहतर कर सकती थी।' मनु ने कहा, ' मुझे सबसे ज्यादा खुशी इस बात से होती है कि मेरी मेहनत रंग ला रही है। सुधार की अभी भी बहुत गुंजाइश है, और यही बात मुझे प्रेरित करती है। एक-एक कदम आगे बढ़ना है।'

स्क्वाश चैंपियनशिपः क्वार्टर फाइनल में टीम इंडिया

ओंटारियो। भारतीय पुरुष और महिला टीमें क्रमशः कुवैत और दक्षिण अफ्रीका को हराकर विश्व जूनियर स्क्वाश टीम चैंपियनशिप के क्वार्टर फाइनल में पहुंच गईं।

जहां भारत की पांचवीं वरीयता प्राप्त पुरुष टीम को कुवैत के खिलाफ 2-1 से जीत हासिल करने से पहले कड़ी मेहनत करनी पड़ी, वहीं महिला टीम ने दक्षिण अफ्रीका को 3-0 से आसानी से हराया। भारतीय पुरुष टीम क्वार्टरफाइनल में इंग्लैंड से भिड़ेगी जबकि महिला टीम का मुकाबला अमेरिका से होगा। पुरुषों के मुकाबले में युशा नफीस शुरुआती मैच में हार गए। इसके बाद आर्यवीर दीवान ने जीत हासिल करके मुकाबले को बराबरी पर ला दिया। गुरवीर सिंह ने तीसरे और निर्णायक मैच में जीत हासिल करके भारत को अंतिम आठ में पहुंचाया।

टॉप 50 बल्लेबाजों में वैभव की एंट्री शुभमन फिर बने नंबर 1 बल्लेबाज

टी20 में सूर्यवंशी ने लगाई 230 पायदान की लंबी छलांग

एजेंसी ▶▶| दुबई

भारतीय कप्तान शुभमन गिल जारी अंतरराष्ट्रीय क्रिकेट परिषद (आईसीसी) की रैंकिंग में फिर से दुनिया के नंबर एक वनडे बल्लेबाज बन गए जबकि वैभव सूर्यवंशी जिम्बाब्वे के खिलाफ अपने अच्छे प्रदर्शन के कारण टी20 अंतरराष्ट्रीय रैंकिंग में 230 स्थान की लंबी छलांग लगाकर 48वें स्थान पर पहुंच गए। गिल ने वनडे रैंकिंग में न्यूजीलैंड के बल्लेबाज डैरिल मिचेल को पीछे छोड़कर शीर्ष स्थान हासिल किया। मिचेल इस साल जनवरी से शीर्ष स्थान पर काबिज थे।

बिश्नोई को फायदा, शीर्ष 10 में वरुण

लेग स्पिनर रवि बिश्नोई टी20 में गेंदबाजों की सूची में 31 पायदान ऊपर 41वें स्थान पर पहुंच गए, लेकिन चोटिल होने के कारण जिंबॉब्वे दौरे से बाहर रहे वरुण चक्रवर्ती तीन स्थान नीचे खिसक गए लेकिन वह शीर्ष 10 में बने हुए हैं।

टी20 में टॉप पर काबिज ईशान

सूर्यवंशी ने जिम्बाब्वे के खिलाफ तीन टी20 अंतरराष्ट्रीय मैचों में 50.33 की औसत से 151 रन बनाए, जिसमें दो अर्धशतक शामिल हैं। अपने इस शानदार प्रदर्शन से यह 15 वर्षीय बल्लेबाज शीर्ष 50 में जगह बनाने में सफल रहा। सूर्यवंशी के 536 रेटिंग अंक हैं। ईशान किशन टी20 में नंबर एक बल्लेबाज बने हुए हैं। उनके 910 रेटिंग अंक हैं। वह दूसरे स्थान पर काबिज पाकिस्तान के साहिबजादा फरहान (848) पर अच्छी बढ़त बनाए हुए हैं। इस बीच तिलक वर्मा दो पायदान ऊपर छठे स्थान पर, जबकि टी20 टीम के कप्तान श्रेयस अय्यर सात पायदान ऊपर 24वें स्थान पर आ गए।

इंग्लैंड में 5 अगस्त से मिश्रित दिव्यांग क्रिकेट सीरीज

नई दिल्ली। जम्मू कश्मीर के माजिद मगरे 5 से 19 अगस्त तक इंग्लैंड में होने वाली मिश्रित दिव्यांग टी20 अंतरराष्ट्रीय क्रिकेट श्रृंखला में भारत की 16 सदस्यीय टीम की कप्तानी करेंगे। साई आकाश शिवमणि को इस दौरे के लिए भारत का उप-कप्तान नियुक्त किया गया है, जहां भारतीय टीम सात टी20 अंतरराष्ट्रीय मैच खेलेगी। पहले दो मैच 5 और 7 अगस्त को डर्बी के आवरकूप काउंटी ग्राउंड में खेले जाएंगे, इसके बाद तीसरा टी20 अंतरराष्ट्रीय मैच 9 अगस्त को लीसेस्टर में होगा। चौथा मैच 12 अगस्त को होव के काउंटी ग्राउंड में, पांचवां और छठा मैच 15 और 16 अगस्त को अरुंडेल में जबकि अंतिम मैच 19 अगस्त को लॉर्ड्स में खेला जाएगा।

एशियाई खेल : भारतीय हॉकी टीम का ऐलान, लालागे की जगह पाल शामिल

एजेंसी ▶▶| नई दिल्ली

भारत ने जापान के आइची नागोया में 19 सितंबर से 4 अक्टूबर तक होने वाले एशियाई खेलों के लिए अपनी 20 सदस्यीय पुरुष हॉकी टीम में केवल एक बदलाव करके आदित्य अर्जुन लालागे की जगह मिडफील्डर राज कुमार पाल को शामिल किया है।

राज कुमार को अगले महीने होने वाले विश्व कप के लिए टीम में शामिल नहीं किया गया था, लेकिन वह एशियाई खेलों के लिए वापसी करने में सफल रहे। लालागे

नीदरलैंड और बेल्जियम की संयुक्त मेजबानी में 15 से 30 अगस्त तक होने वाले विश्व कप के लिए भारत की 20 सदस्यीय टीम में शामिल हैं। भारतीय टीम प्रबंधन और हॉकी इंडिया के चयनकर्ताओं ने इसके अलावा विश्व कप में खेलने वाली टीम में कोई अन्य बदलाव नहीं किया है। स्टार डिफेंडर और ड्रैग-फ्लिकर हरमनप्रीत सिंह टीम की कप्तानी करना जारी रखेंगे। भारत ने हरमनप्रीत की अगुवाई में ही 2024 में पेरिस ओलंपिक खेलों में कांस्य पदक जीता था। भारत की तरफ से सर्वाधिक मैच खेलने वाले अनुभवी मिडफील्डर मनप्रीत सिंह सहित कई अनुभवी खिलाड़ी टीम का हिस्सा हैं। भारतीय टीम अनुभव और युवा खिलाड़ियों का अच्छा मिश्रण है।

वेस्टइंडीज ने पहला टेस्ट किया अपने नाम, पाकिस्तान को हराया

एजेंसी ▶▶| तारौबा

जाडेन सील्स के 5 विकेट की मदद से वेस्टइंडीज ने पाकिस्तान को पहले टेस्ट क्रिकेट मैच में 90 रन से हराकर दो मैच की श्रृंखला में 1-0 से बढ़त हासिल कर ली।

पहली पारी में 311 रन बनाने वाली वेस्टइंडीज की टीम ने अपनी दूसरी पारी में 181 रन बनाकर पाकिस्तान के सामने 211 रन का लक्ष्य रखा लेकिन उसकी टीम केवल 120 रन पर आउट हो गई। पाकिस्तान में पहली पारी में 282 रन बनाए थे। पाकिस्तान की दूसरी

पारी में केवल तीन बल्लेबाज दोहरे अंक में पहुंचे, जिनमें कप्तान बाबर आजम ने नाबाद 58 रन बनाए।

उत्तर रेलवे

'एक स्टेशन एक उत्पाद' योजना के तहत स्टॉल स्थापित करने हेतु आवेदन आमंत्रित किये जा रहे हैं:

क) **कुल ग्यारह (11) स्टॉलः** दिल्ली, दिल्ली कैंट, दिल्ली सराय रोहिल्ला, दिल्ली शाहदरा, गुड़गांव, मेरठ कैंट, मुजफ्फरनगर, पानीपत, पटौदी रोड, समालखा, सब्जीमंडी, रेलवे स्टेशन।

ख) **कुल बयालीस (42) ट्रॉलीः** असावटी, बादली, बागपत रोड, बल्लभगढ़, बड़ौत, दिल्ली आजादपुर, दिल्ली किशनगंज, दिल्ली सफदरजंग देवबंद, फरीदाबाद, फरीदाबाद नया शहर, गढ़ी हरसरू, गाजियाबाद, जाखल, जींद, जुलाना, खतौली, खेकड़ा, मंगोलपुरी, मानसा, मेरठ शहर, मोदीनगर, मुरादनगर, नांगलोई, नरवाना, नया गाजियाबाद, नोली, ओखला, पालम, पलवल, परतापुर, साहिबाबाद, सकौती टांडा, सांपला, शकूरबस्ती, शामली, शिवाजी ब्रिज, टपरी, तिलक ब्रिज, टोहाना, तुगलकाबाद, विवेक विहार, रेलवे स्टेशन।

ग) दिल्ली जंक्शन, कुरुक्षेत्र, सब्जी मंडी, पलवल, गुड़गांव, मेरठ कैंट, पानीपत, नरेला, बादली रोहतक, जुलाना, सांपला रेलवे स्टेशनों पर स्टॉल/ट्रॉली लगाने की अवधि 90 दिन होगी।

घ) एनएसजी 1, 2, 3 स्टेशनों के लिए पंजीकरण शुल्क रु. की दर से लिया जाएगा। तीस दिनों के प्रत्येक चरण के लिए 2000 और एनएसजी 4,5,6 (दिल्ली किशनगंज, देवबंद, बादली, ओखला, शामली, टपरी, जिंद, जाखल, टोहाना, मानसा, नरवाना, बागपत रोड, खेकड़ा, नांगलोई, मुरादनगर, खतौली, मेरठकैंट, जुलाना, सांपला, शिवाजीब्रिज, तिलकब्रिज, गनौर, बादली, सब्जीमंडी, नरेला, तुगलकाबाद, फरीदाबाद न्यूटाउन बल्लभगढ़, पालम, मेरठकैंट, दिल्ली सफदरजंग, परतापुर और सकौती टांडा रेलवे स्टेशन पर पंजीकरण शुल्क रु. तीस दिनों के प्रत्येक मंत्र के लिए 1000। की दर से लिया जाएगा।

ङ) प्रतिभागी के लिए पात्रता मानदंड निम्नलिखित हैं: विकास आयुक्त हस्तशिल्प, विकास आयुक्त हथकरघा, या अपेक्षित राज्य/केंद्र सरकार प्राधिकरण द्वारा जारी कारीगरों/बुनकर आईडी कार्ड धारक। भारतीय जनजातीय सहकारी विपणन विकास संघ लिमिटेड (ट्राइफेड)/राष्ट्रीय हथकरघा विकास निगम (एनएचडीसी)/खादी और ग्रामोद्योग आयोग (केवीआईसी)/गैर सरकारी संगठन और सूक्ष्म, लघु और मध्यम उद्यम मंत्रालय के उद्यम पोर्टल पर सूक्ष्म उद्यमों के साथ पंजीकृत और सामाजिक संगठनों, राज्य सरकार के साथ निकायों आदि के साथ नामांकित/पंजीकृत व्यक्तिगत कारीगर/बुनकर/शिल्पकार

च) पीएमईजीपी (प्रधान मंत्री रोजगार सृजन कार्यक्रम) के साथ पंजीकृत स्वयं सहायता समूह।

छ) समाज के हाशिए पर या कमजोर वर्ग।

ज) किसी भी अलग प्रतीक चिन्ह की अनुमति प्रदान नहीं की जाएगी।

आवेदक को स्टेशन अधीक्षक को एक वचन पत्र प्रस्तुत करना होगा जिसमें यह संकेत दिया जाएगा कि ट्रेन संचालन, यात्री सुरक्षा और रेलवे की छवि पर प्रतिकूल प्रभाव डालने के लिए कोई गतिविधि नहीं की जाएगी।

आवेदक द्वारा का आवेदन इस अधिसूचना के जारी होने के बाद 07.04.2026, 15:00 बजे तक स्टेशन अधीक्षक को संबोधित व जमा किया जा सकता है व उसी दिन खोला जाएगा।

सभी अनुमोदित प्रतिभागियों का प्राथमिकता रोस्टर बनाने के लिए एसएस और स्टेशन प्रबंधक/अनुभागीय सीएमआई और नामांकित वित्त प्रतिनिधि द्वारा सभी अनुमोदित आवेदकों की उपस्थिति में स्टेशन पर आयोजित ड्रा के माध्यम से प्राथमिकता निर्धारित की जाएगी।

'एक स्टेशन एक उत्पाद' योजना रेलवे बोर्ड वाणिज्यिक परिपत्र संख्याः 12/2022 एवं 09/2023 के तहत/अधीन मान्य होगी, उपरोक्त परिपत्र वेबसाइट www.indianrailways.gov.in & URL: https://indianrailways.gov.in/railwayboard/uploads/directorate/traffic_comm/Comm_Cir_2022/OSOP%20Policy.pdf और https://indianrailways.gov.in/railwayboard/uploads/directorate/traffic_comm/Comm_Cir_2023/CC%20%2009%20of%202023 पर उपलब्ध है।

इस से सम्बंधित किसी भी जानकारी के लिए आवेदक संबंधित स्टेशनों के स्टेशन अधीक्षक या सीएमआई से संपर्क कर सकता है। 2611/2026

ग्राहकों की सेवा में मुस्कान के साथ

जॉर्ज और मन्नेपल्ली की दूसरे दौर में एंट्री

ताइपे ओपन : सीधे गेमों में जीते प्रणय और उन्नति, अगल दौर में प्रवेश

एजेंसी ▶▶| ताइपे सिटी

अनुभवी शटलर एचएस प्रणय और उन्नति हुडा ने सीधे गेम में जीत दर्ज करके ताइपे ओपन सुपर 300 बैडमिंटन टूर्नामेंट के एकल वर्ग के दूसरे दौर में प्रवेश किया। सातवीं वरीयता प्राप्त प्रणय ने पुरुष एकल के पहले दौर में जापान के मिनोरु कोगा को 21-11 21-14 से हराया।

अब उनका सामना हांगकांग के जेसन गुनावन से होगा, जिन्होंने एक अन्य भारतीय खिलाड़ी मिथुन मंजुनाथ को 21-18 21-4 से हराया। पुरुष एकल में किरण जॉर्ज और थारुन मन्नेपल्ली भी दूसरे दौर में पहुंच गए हैं। जॉर्ज ने चीनी ताइपे के वांग पो-वेई को 21-10 21-18 से जबकि मन्नेपल्ली ने कोरिया के आठवें वरीय जियोन ह्योक

जिन को 21-12 21-15 से हराया। जॉर्ज और मन्नेपल्ली अगले दौर में एक-दूसरे का सामना करेंगे। पुरुष एकल क्वालीफायर से मुख्य ड्रॉ में जगह बनाने वाले रौनक चौहान इंडोनेशिया के रिची दुता रिचार्डो से 14-21 16-21 से हार गए।

उन्नति ने की अपने अभियान की सकारात्मक शुरुआत

महिला एकल में तीसरी वरीयता प्राप्त उन्नति ने अपने अभियान की सकारात्मक शुरुआत करते हुए ताइपे की पेई यू वांग को 21-12, 21-18 से हराया। अब उनका मुकाबला हमवतन तान्या हेमंत से होगा, जिन्होंने ताइपे की ही वेन ची सू को कड़े मुकाबले में 21-16, 14-21, 21-16 से पराजित किया। भारत की अन्य खिलाड़ियों में आठवीं वरीयता प्राप्त देविका सिहाग, तन्वी शर्मा और अनमोल खरब महिला एकल के अगले दौर में पहुंच गईं।

देविका ने कोरिया की गा यून पार्क को दी मात

देविका ने कोरिया की गा यून पार्क को 14-21 21-7 21-15 से, तन्वी ने हमवतन तस्नीम मीर को 21-16 22-20 से और अनमोल ने अमेरिका की इशिका जायसवाल को 21-15 11-21 21-19 से हराया। देविका का अगला मुकाबला इंडोनेशिया की कडेक ढिंडा अमर्त्य प्रतिवी से होगा। तन्वी का मुकाबला अब इंडोनेशिया की थालिता रामधानी विरियावान से होगा, जबकि अनमोल का सामना चीनी ताइपे की दूसरी वरीयता प्राप्त हिसयांग टी लिन से होगा। भारत की एक अन्य खिलाड़ी श्रीयांशी वलीशेट्टी को थाईलैंड की चौथी वरीयता प्राप्त सुपानिडा कटेथोंग से 11-21 12-21 से हार का सामना करना पड़ा।

असम में बाढ़ का कहर: 622 गांव पानी में डूबे, 75 लोगों की गई जान

एजेंसी ▶▶ गुवाहाटी

पिछले 24 घंटे में 7 लोगों की मौत हुई। सात जिले अब भी प्रभावित हैं। सरकार ने मृतकों के परिजनों के लिए अनुग्रह राशि बढ़ाकर 9 लाख रुपए कर दी है और राहत अभियान जारी है

असम में बाढ़ का कहर जारी है। अब इससे मरने वालों की संख्या बढ़कर 75 हो गई है। बाढ़ के कारण असम में पिछले 24 घंटों में सात लोगों की मौत हो गई है। वहीं, इससे प्रभावित लोगों की संख्या घटकर 3.32 लाख रह गई है। यह जानकारी अधिकारियों ने बुधवार को दी। उन्होंने बताया कि राज्य सरकार ने मृतकों के परिवारों को दी जाने वाली अनुग्रह राशि को बढ़ाकर 9 लाख रुपये प्रति परिवार कर दिया है।

मुआवजे का लाभ उठाने के लिए मानदंडों में ढील दी है। अधिकारियों ने बताया कि शिवसागर, चराइदेव, गोलाघाट, जोरहाट, नागांव, सोनितपुर और कामरूप महानगरपालिका के सात जिले अभी भी बाढ़ की चपेट में हैं, जिससे 21 राजस्व सर्किल और 622 गांव प्रभावित हुए हैं।

- राज्य के 7 जिलों की करीब साढ़े 3 लाख आबादी बाढ़ से प्रभावित
- प्रभावित जिलों में 81 राहत शिविर कार्यरत, जिनमें 32,477 विस्थापित लोगों ने शरण ली

खतरनाक हालात पर हिमंता सरकार का बड़ा ऐलान

कीचड़ से मुसीबत,बीमारियों का डर

पीड़ित क्षेत्रों में बांटी जा रहीं दवाएं

चराईदेव में सबसे ज्यादा नुकसान

बाढ़ से प्रभावित आबादी 3.32 लाख थी। वहीं, चराइदेव सबसे बुरी तरह प्रभावित जिला था, जहां 1.42 लाख लोग प्रभावित हुए, उसके बाद शिवसागर (97,074) और जोरहाट (57,371) का स्थान रहा। अधिकारियों ने बताया कि मंगलवार को सात लोगों की मौत की सूचना शिवसागर जिले के नजरिया राजस्व सर्कल से मिली, जिससे इस साल बाढ़ में मरने वालों की संख्या 75 हो गई है।

चार धाम यात्रा फिर रुकी

उत्तराखंड में भारी बारिश की चेतावनी और यात्रा मार्गों पर भूस्खलन को देखते हुए चारधाम और हेमकुंड साहिब की यात्रा दो दिन के लिए स्थगित की गई है। मौसम सामान्य होने पर 30 जुलाई से फिर यात्रा संचालित होगी। मौसम विभाग की ओर से जारी ऑरेंज अलर्ट व भूस्खलन की घटनाओं पर प्रशासन ने श्रद्धालुओं की सुरक्षा के लिए चारधाम यात्रा मंगलवार व बुधवार के लिए स्थगित की है। हालांकि सुबह 10 बजे सोनप्रयाग से करीब 1600 यात्री केदारनाथ धाम के लिए रवाना किए गए।

सीएसएल ने किया जहाज का निर्माण

नौसेना को मिला पनडुब्बी रोधी जहाज 'मछलीपट्टनम'

नई दिल्ली(ब्यूरो)। दुनिया भर में जारी सैन्य संघर्षों के चुनौतीपूर्ण दौर में बुधवार को भारतीय नौसेना के जंगी बेड़े की क्षमता में कई गुना का इजाफा देखने को मिला है। जिसकी बड़ी वजह समुद्री बल में उथले जल में शत्रुओं के खिलाफ अचूक आक्रामक कार्यवाही करने में सक्षम मछलीपट्टनम (बीवाई 529) जहाज (एएसडब्ल्यू-एसडब्ल्यूसी) का जलावतरण होना है। जहाज का निर्माण देश के अंदर कोचीन शिपयार्ड लिमिटेड (सीएसएल) द्वारा किया गया है। जिसमें लगाई गई स्वदेशी सामग्री का कुल आंकड़ा 80% से अधिक है। जहाज का जलावतरण समारोह श्रीमती गुलरुख आनंद द्वारा सैन्य मामलों के विभाग के अतिरिक्त सचिव वाइस एडमिरल अतुल आनंद की उपस्थिति में किया गया।

इस राज्य के जिले से मिला नाम

जहाज को आंध्र-प्रदेश के कृष्णा जिले में स्थित ऐतिहासिक मछलीपट्टनम बंदरगाह से यह नाम मिला है। आमतौर पर इस बंदरगाह को अपनी समृद्ध विरासत और व्यापार के लिए जाना जाता है। ऐसे में मछलीपट्टनम नाम न केवल देश की ऐतिहासिक और सांस्कृतिक विरासत से जुड़ा हुआ है। बल्कि यह देश के समुद्री हितों की रक्षा करने की नौसेना की प्रतिबद्धता को भी भली-भांति प्रदर्शित करता है।

यूक्रेन में फंसे 13 भारतीय नाविक, सुरक्षा की मांग, स्वदेश वापसी की गुहार

कीव। यूक्रेन के चोर्नोमोर्स्क बंदरगाह पर खड़े वाणिज्यिक पोत एमवी अमीर-1 पर सवार 13 भारतीय नाविकों की सुरक्षा को लेकर कीव स्थित भारतीय दूतावास ने कहा है कि वह स्थिति पर नजर रख रहा है। क्षेत्र में लगातार हो रहे ड्रोन और मिसाइल हमलों के कारण नाविक भय के साये में हैं। भारतीय नाविक संघ ने चालक दल की तत्काल सुरक्षा और उनकी स्वदेश वापसी की गुहार लगाई है।

लखनऊ स्थित कमांड अस्पताल में सैन्य दवाओं के विभाग का वर्चुअल उद्घाटन करते हुए बोले रक्षा मंत्री

पारंपरिक हथियारों संग सामूहिक विनाश के हथियारों का खतरा बरकरार: राजनाथ सिंह

हरिभूमि ब्यूरो ▶▶ नई दिल्ली

रक्षा मंत्री राजनाथ सिंह ने बुधवार को उत्तर-प्रदेश की राजधानी लखनऊ स्थित कमांड अस्पताल में सैन्य दवाओं के विभाग का यहां राष्ट्रीय राजधानी से वर्चुअल माध्यम के जरिए उद्घाटन किया है। इस दौरान अपने संबोधन में उन्होंने कहा कि यह एक उत्कृष्टता वाला विभाग है। जो देश को उभरते हुए खतरों से दो-दो हाथ में सक्षम बनाएगा। साथ ही उन्होंने युद्ध की तैयारी को मजबूत बनाने के लिए प्रौद्योगिकी आधारित निवारक स्वास्थ्य देखभाल का भी आह्वान किया है।

राष्ट्रीय सुरक्षा को मिलेगी मजबूती

राजनाथ ने बताया कि किसी भी राष्ट्र के निर्माण कुछ जरूरी पहलू होते हैं। जिनमें सामाजिक और आर्थिक विकास मुख्य रूप से शामिल हैं। लेकिन इसमें भी कोई दोराय नहीं है कि किसी भी राष्ट्र की संप्रभुता और प्रगति का मुख्य आधार उसकी सेना की शक्ति और मनोबल में पूरी तरह से समाहित होता है। उन्होंने सैनिकों को अपनी ओर से भरोसा दिलाते हुए कहा कि इस केंद्र की मदद से उन्हें उन्नत चिकित्सा सहायता और जरूरी देखभाल मिलेगी। जिससे हमारे देश की राष्ट्रीय सुरक्षा को बल मिलेगा।

इन मामलों पर केंद्रित होगा विभाग

यह विभाग खासतौर पर सैन्य चिकित्सा पर केंद्रित देश का पहला समर्पित शैक्षणिक और परिचालन विभाग है। जिसका असल मकसद युद्धकालीन तैयारियों को पुख्ता बनाना, अनुसंधान को बढ़ावा देना, स्वदेशी सिद्धांतों का विकास सहित भावी युद्धक्षेत्रों और मानवीय आपात परिस्थितियों के लिए विशेषज्ञता को बढ़ावा देना है। विभाग में कुछ प्रमुख विषयों पर ध्यान केंद्रित किया जाएगा। जिनमें सैन्य संबंध आघात-क्षति नियंत्रण, युद्ध मनोचिकित्सा-दृढ़ता, पर्यावरण-परिचालन चिकित्सा, सैन्य चिकित्सा रसद , रासायनिक, जैविक, विकिरणीय, परमाणु-विस्फोटक चिकित्सा प्रतिक्रिया, आपातकालीन चिकित्सा-गहन देखभाल, एचएडीआर, लेखा परीक्षा-डेटा विश्लेषण मुख्य हैं।

चरणबद्ध होगा विभाग का विकास

राजनाथ के मुताबिक, इस विभाग का चरणबद्ध रूप से किया जाएगा। शुरुआत में शैक्षणिक कार्यक्रमों की स्थापना के अलावा इन्हें शुरू किए जाने पर ध्यान केंद्रित किया जाएगा। बाद में एचएडीआर और सीबीआरएनई चिकित्सा में उत्कृष्टता केंद्रों की स्थापना की जाएगी। जिसके बाद ही यह केंद्र सैन्य चिकित्सा के क्षेत्र में राष्ट्रीय और वैश्विक स्तर पर एक मान्यता प्राप्त केंद्र के रूप में विकसित होगा।

सैन्य चिकित्सा का महत्व

रक्षा मंत्री ने सैन्य चिकित्सा के महत्व के बारे में बताते हुए कहा कि जिस प्रकार अंतरिक्ष चिकित्सा पृथ्वी की निम्न कक्षा में पायलटों, अंतरिक्ष यात्रियों के सामने आने वाली चुनौतियों का समाधान करती है। ठीक उसी प्रकार से सैन्य चिकित्सा युद्ध और युद्ध जैसे परिस्थितियों के वक्त पर मनुष्य के शरीर पर पड़ने पर शारीरिक, मानसिक तनावों का अध्ययन करती है। उन्होंने स्पष्ट किया कि हमारे सैनिक विश्व के कुछ बेहद जटिल क्षेत्रों और कठोर जलवायु के बीच तैनात हैं। यह वो चुनौतीपूर्ण इलाके हैं, जहां उन्हें एक साथ कई चुनौतियों से दो-चार होना पड़ता है। ऐसे में यह चिकित्सा विभाग ही एक ऐसा विभाग होगा। जो इन विविध परिस्थितियों के हिसाब से चिकित्सा प्रोटोकॉल तैयार करेगा। उन्होंने कहा कि वर्तमान समय में पारंपरिक हथियारों के साथ बने हुए सामूहिक विनाश के हथियारों के खतरे की चुनौती के बीच यह केंद्र ही अनुसंधान, विकास केंद्र के रूप में कार्य करेगा। जिससे मदद से तेजी से होते तकनीकी विकास के साथ सामने आने वाले नए खतरों से मुकाबला करने को देश को सक्षम बनेगा।

सीजेपी की सख्त चेतावनी

उत्पीड़न नहीं रुका तो फिर सड़कों पर उतरेंगे

एजेंसी ▶▶ नई दिल्ली

सीजेपी के संस्थापक अभिजीत दीपके ने कहा कि अगर छात्रों का उत्पीड़न नहीं रुका और उनके खिलाफ दर्ज मामले वापस नहीं लिए गए, तो पार्टी जल्द ही फिर से सड़कों पर उतरेगी। उन्होंने कहा कि 20 जुलाई को छात्रों ने पुलिस की लाठियां और खून-खराबा झेला। अगर सरकार इतने पर भी नहीं चेती और युवाओं का उत्पीड़न जारी रहा, तो हम बहुत जल्द दोबारा सड़कों पर उतरेंगे। उन्होंने कहा कि सरकार पर ही आंदोलन निर्भर करता है, अगर सरकार सहमत नहीं होती और अपने तरीके को नहीं सुधारती तो जल्द ही हमें नया आंदोलन करेंगे, क्योंकि हमारे पास कोई और रास्त नहीं होगा तो हमें ये करना ही पड़ेगा। सीजेपी प्रवक्ता सौरव दास ने कहा कि सरकार ने पहले सार्वजनिक रूप से भरोसा दिया था कि शांतिपूर्ण प्रदर्शनकारियों के खिलाफ नई एफआईआर दर्ज नहीं होगी और पुराने मामले भी वापस लिए जाएंगे।

सीजेपी ने राकेश टिकैत से की मुलाकात

कॉकरोच जनता पार्टी (सीजेपी) के प्रवक्ताओं ने भारतीय किसान यूनियन (बीकेयू) के नेता राकेश टिकैत से मुलाकात की है। यह मुलाकात ऐसे समय हुई है, जब हाल ही में छात्र आंदोलन स्थगित होने के बाद सीजेपी ने अपने आंदोलन को बड़े सामाजिक मुद्दों से जोड़ने के संकेत दिए हैं।

2 अगस्त से 'नशा मुक्त अभियान' शुरू होगा

नई दिल्ली। पीएम नरेंद्र मोदी 2 अगस्त को 'नशा मुक्त युवा फॉर विकसित भारत संकल्प अभियान' की देशव्यापी शुरुआत करेंगे। इस अभियान का मुख्य उद्देश्य युवाओं को नशीले पदार्थों के दुरुपयोग के खिलाफ जागरूक करना है।

रेड सी में जहाजों पर टैक्स लगाने की तैयारी ईरान ने हूती विद्रोहियों को आइडिया दिया

वॉशिंगटन डीसी/तेल अवीव। यमन के हूती विद्रोही रेड सी (लाल सागर) के दक्षिणी हिस्से से गुजरने वाले कारोबारी जहाजों पर शुल्क लगाने की तैयारी कर रहे हैं। रॉयटर्स ने यह जानकारी सूत्रों ने के हवाले से दी है। हालांकि, इसे कब लागू किया जाएगा, इसकी कोई समयसीमा तय नहीं की गई है। बाब अल-मंदेब रेड सी को अदन की खाड़ी से जोड़ने वाला दुनिया का अहम समुद्री रास्ता है। जुलाई में खामेनेई के अंतिम संस्कार में शामिल होने के लिए हूती नेता ईरान गए थे। वहां ईरानी अधिकारियों ने जहाजों पर टैक्स लगाने का आइडिया दिया था। ईरानी सलाहकारों ने हूती अधिकारियों संग मिलकर टैक्स वसूलने के लिए संभावित व्यवस्था तैयार करने में भी मदद की। प्रस्ताव के तहत चीनी जहाजों को इस शुल्क से छूट दी जा सकती है। चीन सऊदी अरब से सबसे ज्यादा तेल खरीदने वाला देश है। उधर, ईरान जंग में अब सऊदी अरब की भी एंट्री हो गई है। अमेरिका के साथ मिलकर इराक में ईरान समर्थक लड़ाकों पर हमले किए। इन हमलों में करीब 20 की मौत हो गई है। अमेरिकी सैनिक और सऊदी के ऊर्जा ठिकानों पर हमलों की तैयारी की थी। ईरान ने जवाबी कार्रवाई में कई बैलिस्टिक मिसाइलें दागीं। ईरान और अमेरिका/इजराइल के बीच जारी तनाव में कतर की भूमिका युद्ध में सीधे शामिल होने के बजाय मुख्य रूप से मध्यस्थ और कूटनीतिक वार्ताकार की रही है।

ईरान जंग में अब सऊदी अरब की एंट्री

अमेरिका के साथ मिलकर इराक में ईरान समर्थक लड़ाकों पर हमले किए, 20 की मौत

सात साल से रह रहे लोगों को मिलेगा ग्रीन कार्ड, आया बिल

एजेंसी ▶▶ वाशिंगटन

अमेरिका में वर्षों से रह रहे लाखों भारतीयों के लिए राहत भरी और बड़ी खबर सामने आई है। डेमोक्रेटिक सीनेटर एलेक्स पैडिला ने अमेरिकी संसद में एक नया इमिग्रेशन बिल पेश किया है, जो अगर कानून बनता है तो अमेरिका में कम से कम सात साल से लगातार रह रहे आप्रवासियों को सीधे ग्रीन कार्ड के लिए आवेदन करने का अधिकार देगा। इस कदम से लंबे समय से स्थायी निवास का इंतजार कर रहे एच-1बी वीजा धारक भारतीय पेशेवर, ड्रीमर्स और टीपीएस धारकों समेत लगभग 80 लाख लोगों को सीधा फायदा पहुंचेगा। पैडिला ने इमिग्रेशन एक्ट ऑफ 1929 के प्रावधानों के नवीनीकरण के तहत पेश इस बिल के जरिए 1986 के बाद से न बदले गए नियमों को आधुनिक बनाने की वकालत की है।

हरिभूमि कम्यूनिकेशंस प्राइवेट लिमिटेड के लिए प्रकाशक एवं मुद्रक देवेन्द्र सिंह द्वारा हरिभूमि पब्लिकेशंस, चुलियाना मोड़, दिल्ली रोड़, रोहतक-124517 से मुद्रित एवं हरिभूमि कार्यालय, नजदीक इंडस पब्लिक स्कूल, दिल्ली रोड, रोहतक-124001 से प्रकाशित। संपादक : डॉ. हिमांशु द्विवेदी। RNI No. 63924/1996, फोन : 9253681019-20, फैक्स : 274202, e-mail : rohtak@haribhoomi.com, rohtakharibhoomi@gmail.com
Postal Regd. No. P/RTK/389/2026-28